Cosuit®

Copper Hydroxide 61.41% WG

(Fungicide)

Purpose: For Agricultural Use.

Crop and pest group: Copper Hydroxide 61.41% WG (contains 40% metallic Copper) is a broad-spectrum preventive fungicide. It is Recommended for the control of following diseases in Rice, Chilli, Grapes, Tomato and Tea.

Recommendation for use:

Crop	Diseases Controlled	Dosage/ha			Pre-harvest interval in Days
		a.i (g)	Formu-lation(g)	Dilution in Water (L)	
Rice	False smut (Ustilaginoidea virens)	767.63	1250	500	21
Chilli	Anthracnose (Colletotrichum capsici)	537.34	875	500	3
Grapes	Downy mildew (Plasmopara viticola)	767.63	1250	500–1000	3
Tomato	Late Blight (Phytophthora infestans);Early Blight (Alternaria solani)	767.63	1250	500	3
Tea	Blister blight (Exobasidium vexans)	921.15	1500	250 500	3

Directions for use/application technique: Foliar Spray

Weather condition in general: Avoid application during adverse weather conditions.

Manner & time of application, number of application, frequency including maximum no. of application and crop stage for application: Use the product as preventive application when the first disease symptoms are observed or when the weather conditions are favorable to disease development and repeat the application at 7-10 days interval depending on the disease severity. Make no more than 4 application in a crop cycle.

Spray equipment and nozzle type: Use high volume spraying equipment, such as knapsack sprayer fitted with flood jet nozzle to ensure thorough and uniform coverage.

Instructions for mixing: Measure out the required quantity of the product and mix it well with a small quantity of water. Add the remaining quantity of water as specified with thorough agitation.

Soil and water: No specific soil and water management is required.

Stages during which pesticides should not be applied on any crop: Not applicable.

Phyto-toxicity: Not phytotoxic at recommended dosages.

GROUP	M 01	FUNGICIDE

Resistant Management Statement:

1. Use fungicides at the recommended rates and timings. Under no circumstances application rates should be increased over and above label recommendations.2. Rotate fungicides with different modes of action. 3. Ensure effective coverage of the infested part of the crop.

Safety Precautions: 1. Do not eat, drink, smoke or chew betel leaves while handling the product. 2. Wear long sleeves shirt, long pants, chemical resistant gloves and covered shoes while handling the product. In addition, wear mask and goggles during mixing and loading. 3. Avoid spray drift onto the spraying person by spraying with the direction of the wind. 4. Do not blow the spray nozzle with mouth, clean the blocked nozzle with a thin stem or brush. 5. In case of any spillage on the body, wash exposed parts with soap and plenty of water. 6. Wash hands and unprotected parts of the body properly. Remove and wash contaminated clothing separately after use.

Symptoms Of Poisoning: Metallic taste in the mouth, a burning sensation in the epigastrium, eructation and repeated vomiting of greenish material. In severe cases diarrhea, shock, smoky urine, oliguria, anuria, uraemia, an enlarged tender liver and jaundice may occur.

Re-entry: Do not enter treated areas for 48 hours until sprays have dried.

First Aid: If ingested: If person is conscious and alert, rinse mouth with water and give 1 or 2 glass of water to drink. Never give anything by mouth to an unconscious person. Call the doctor. Do not induce vomiting until and unless desired by attending physician. **If inhaled:** Take the person to fresh air and take care of body temperature. If person is not breathing or breathing with difficulty, administer artificial respiration, preferably with mouth to mouth breathing. Consult a physician. **In case of skin contact:** Wash thoroughly the affected part of body with soap and plenty of water including hairs and under fingernails. If pain, redness or irritation persists, consult a doctor. All the contaminated clothes should be segregated and thoroughly washed with soap and water separately before use. **In case of eye contact:** Rinse gently with plenty of water at least for 15 minutes. If pain, irritation, redness or photophobia persists, consult eye specialist

Antidote: EDTA, BAL or penicillamine. Treat symptomatically.

Disposal Of Used Container: 1. Dangerous to re-use empty containers. Container should be triple rinsed with water and rinsate should be poured to the spray mix. 2. The packages shall be broken and buried away from habitation. 3. The used packages shall not be left outside to prevent their re- use. 4. It shall be the duty of manufacturers, formulators of fungicides and operators to dispose packages or surplus materials and washing in a safe manner so as to prevent environmental or water pollution.

Storage Conditions: 1. The packages containing the fungicide shall be stored in original container in separate rooms or premises away from the rooms or premises used for storing other articles, away from the reach of children and livestock, animal feed or shall be kept in a separate almirah under lock and key. 2. The rooms or premises means for storing fungicides shall be well built, dry, well-lit and ventilated and of sufficient dimension to prevent environmental contamination with vapour of fungicide .

Chemical Composition:	**Content (% w/w)**
Copper hydroxide a.i (40% metallic copper)	61.41
Sodium sulphate	12.0
Policarboxilate, sodium salt	7.0
Alkylnaphtalene sulfonate, sodium salt	3.0
Preparation based on: nonionic surfactants, mineral oil	2.0
Kaolin	q.s.
Total	100.00%w/w

Cautions:1. Not to be used for any purpose other than specified on label / leaflet. 2. If the product is applied in a spray solution having a pH of less than 6.5, phyto-toxicity may occur.

कोसूट™

कॉपर हाइड्रोऑक्साइड ६१.४१% डब्लयू.जी.

(फफूंदीनाशक)

उददेश्य : कृषि उपयोग के लिए।

फसल और कीट समूह: कॉपर हाइड्रोऑक्साइड ६१.४१% डब्लयू.जी. (जिसमे भार के हिसाब से ४०% तांबा तत्व है) एक बहुआयामी निवारक फफूंदीनाशक है। इसकी सिफारिश धान, मिर्च, अंगूर, टमाटर और चाय में निम्नलिखित बीमारियों के नियंत्रण के लिए की जाती है।

उपयोग के लिए सिफारिशें:

फसल	रोग का सामान्य नाम	मात्रा /हैक्टर			कटाई से पहले अंतराल (दिन)
		स.त. (ग्रा.)	संरचना (ग्रा.)	पानी में घोल (लीटर)	
धान	नकली स्मट (अष्टिलेजिनांइडिया वाइरेन्स)	७६७.६३	१२५०	५००	२१
मिर्च	रूक्ष रोग (कलेटोट्रिचुम केप्सिसि)	५३७.३४	८७५	५००	३
अंगूर	मदरोमिल आसिता (प्लास्मोपारा विटिकौला)	७६७.६३	१२५०	५००–१०००	३
टमाटर	देर अंगमारी (फाइटोफ्थोरा इन्फेस्टांस) प्रारांभिक अंगमारी (अल्टेरनेरिआ सोलानी)	७६७.६३	१२५०	५००	३
चाय	फफोला अंगमारी (एक्सोबासिडियम वेक्सॉन्स)	९२१.१५	१५००	२५०–५००	३

इस्तेमाल के लिए निर्देश / आवेदन की तकनीक: फोलिवर स्प्रे।

मौसम की स्थिति : मौसम की प्रतिकूल स्थिति के दौरान प्रयोग से बचें।

उपयोग का तरीका और समय, उपयोग आवृति समेत अधिकतम संख्या और उपयोग के लिए फसल अवस्था : जब रोग के लक्षण दिखाई दे या जब मौसम की स्थिति रोग के विकास के अनुकूल होती है, तो निवारक प्रयोग के रूप में उत्पाद का उपयोग करें और रोग की गंभिरता के आधार पर प्रयोग को ७–१० दिनों के अंतराल पर दोहराएं। एक फसल चक्र में ४ से अधिक प्रयोग न करें।

स्प्रे उपकरण और नोजल प्रकार: उपचार वाले क्षेत्र पर समान रूप से छिडकाव सुनश्चित करने के लिए फ्लड जेट नोजल युक्त उच्च आयतन वाले स्प्रे उपकरण जैसे नैपसैक स्प्रेयर का प्रयोग करें।

मिश्रण के लिए निर्देश: उत्पाद की आवश्यक मात्रा को मापें और इसे थोड़ी मात्रा में पानी के साथ अच्छी तरह मिलाएं। शेष पानी की मात्रा को अच्छी तरह हिलाते हुए मिलाएं।

मिट्टी और पानी : किसी विशिष्ट मिट्टी और जल प्रबंधन की आवश्यकता नहीं है।

फसल अवस्था जिसके दौरान किसी भी फसल पर खरपतवारनाशक नहीं लगाया जाना चाहिए : लागू नहीं।

पादप आविषालुता : सिफारिश की गयी मात्रा के अनुसार उत्पाद पौध विषाक्त नहीं हैं।

समुह	एम 01	फफूंदीनाशक

प्रतिरोधकता प्रबंधन:

१. अनुशंसित दरों और समय पर फफूंदीनाशक का उपयोग करें। किसी भी परिस्थिति में प्रयोग की मात्रा लेबल की सिफारिशों के ऊपर ना बढ़ाएं। २. फफूंदीनाशक का प्रयोग बारी बारी से भिन्न क्रियाविधी वाले अन्य उत्पाद से बदलिए। ३.फसल के संक्रमित हिस्से की अच्छी कवरेज सुनिश्चित करें।

सुरक्षा सावधानियां: १. उत्पाद का प्रयोग करते समय न कुछ खाएं, न पियें, न धूम्रपान करें न ही पान चबाएं। २. उत्पाद का प्रयोग करते समय पूरे बांह की शर्ट, लंबी पैंट, रासायनिक प्रतिरोधी दस्ताने और ढके हुए जूते पहनें। इसके अलावा, मिक्सिंग और लोडिंग के दौरान मास्क और चश्मे पहनें। ३. हवा की दिशा के साथ छिड़काव करते हुए छिड़काव करने वाले व्यक्ति पर स्प्रे के बहाव से बचें। ४. स्प्रे नोजल को मुंह से न खोलें, अवरूद्ध नोजल को पतली सींक या ब्रश से साफ करें। ५. शरीर पर किसी भी रिसाव की स्थिति में, खुले हिस्सों को साबुन और काफी सारे पानी से धोएं। ६. हाथों और शरीर के खुले हिस्सों को अच्छी तरह धोएं। प्रयोग के बाद दूषित कपड़ों को उतारकर धोएं।

विष के लक्षण: मुंह में धातु जैसा का स्वाद आना, उदर का ऊपरी भाग में जलन की संवेदना होना, डकार आना और हरे तरल की बार–बार उल्टी होना। गंभीर मामलों में दस्त, सदमा लगना, धूमिल मूत्र, अल्पमूत्रता, अमूत्रता, मूत्रकृच्छ, यकृत का नरम होना या बढ़ना और पीलिया हो सकता है।

पुन: प्रवेश: छिड़काव सूखने तक ४८ घंटे तक उपचारित खेतों में प्रवेश न करें।

प्राथमिक चिकित्सा: १. **निगल लिए जाने पर:** यदि व्यक्ति होश में और सजग है, तो कुल्ला कराएं और १ या २ गिलास पानी पीने को दें। बेहोश व्यक्ति को मुंह से कुछ भी न दें। डॉक्टर को बुलाएं। डॉक्टर के कहे बिना उल्टी न कराएं। २. **सांस ले लेने पर:** व्यक्ति को खुली हवा में ले जाएं और शरीर के तापमान का ध्यान रखें। यदि व्यक्ति सांस न ले रहा हो या सांस लेने में परेशानी हो, तो मुंह से कृत्रिम श्वास दें। डॉक्टर की सलाह लें। ३. **त्वचा से संपर्क होने पर:** बालों और नाखूनों की जड़ों सहित शरीर के प्रभावित हिस्से को साबुन और काफी सारे पानी से अच्छी तरह धोएं। यदि दर्द, लालिमा या खुजली जारी रहे, तो डॉक्टर की सलाह लें। सभी दूषित कपड़ों को अलग रखें और प्रयोग करने से पहले साबुन और काफी सारे पानी से अच्छी तरह धोएं। ४. **आंख से संपर्क होने पर:** कम से कम १५ मिनट तक काफी सारे पानी से छींटे मारें। यदि दर्द, लालिमा, खुजली या फोटोफोबिया जारी रहे, तो आँखों के डॉक्टर की सलाह लें।

विषनाशक: इ डी टी ऐ, बी ऐ एल अथवा पपेनिसिल्लामिन का प्रयोग करें। लक्षणों के अनुसार उपचार करें।

खाली डिब्बों का निपटारा: १. खाली डिब्बों का दुबारा उपयोग करना हानिकारक है। इन डिब्बों तीन बार पानी से खंगाला जाना चाहिए और इस खंगाले गए पानी को छिड़काव के घोल में डाला जाना चाहिए। २. खाली हिब्बों को तोड़कर निवास से दूर जमीन में गाड़ दें। ३. खाली डिब्बों को दुबारा इस्तेमाल के लिए बाहर खुला न छोड़ें। ४. यह फफूंदीनाशक निर्माताओं तथा उपयोगकर्ता का कर्तव्य है कि वह डिब्बों/ पैकैजिस या बची हुई कीटनाशक तथा साधनों के धोवन का निपटारा सुरक्षित ढंग से करें जिससे वातावरण या पानी प्रदूषित न हो।

संग्रहण: १. फफूंदीनाशक युक्त पैकेज को मूल कंटेनर में अलग कमरे या परिसर में अन्य वस्तुएं रखे जाने वाले कमरे या परिसर से दूर, बच्चों और पशुओं की पहुंच से दूर, पशुओं के चारे से दूर अथवा अलग अलमारी में ताला और चाबी लगाकर रखना चाहिए। २. फफूंदीनाशक के संग्रहण के लिए बने कमरे या परिसर अच्छी तरह निर्मित, खुश्क, अच्छी रोशनी वाले, और हवादार और वाष्प के साथ संदूषण से बचने के लिए पर्याप्त आयाम वाले होन चाहिए।

रासायनिक संघटन:	**सामग्री (%भार/भार)**
कॉपर हाइड्रोऑक्साइड स.त.(४०% तांबा तत्व)	६१.४१
सोडियम सल्फेट	१२.०
पोलिकार्बोक्सिलेट, सोडियम साल्ट	७.०
ऐल्कैलनपथालिन सुलफोनेट,सोडियम साल्ट	३.०
प्रिपरेशन बेस्ड ओन: नोनाइओनिक सरफेक्टेयटस, मिनरल ऑयल	२.०
केओलिन	पर्याप्त मात्रा
कुल	१००.००%भार/भार

सावधानियां: 1. लेबल/पुस्तिका पर निर्दिष्ट के अलावा अन्य किसी प्रयोजन से प्रयोग न किया जाए । 2.यदि उत्पाद को 6.5 से कम के पीएच वाले स्प्रे समाधान में उपयोग किया जाता है, फाइटो– विषाक्तता होने की संभावना है।

कोसूट™

कॉपर हायड्रॉक्साइड ६१.४१% डब्ल्यूजी

(बुरशीनाशक)

हेतू: कृषि वापरासाठी

पीक आणि कीटक गट: कॉपर हायड्रॉक्साइड ६१.४१% डब्ल्यूजी (४०% समाविष्ट आहे मेटेलिक कॉपर) हे व्यापक प्रभावी प्रतिबंधक बुरशीनाशक आहे. ह्याची शिफारश भात, मिरची, द्राक्षे, टोमॅटो आणि चहामध्ये खालील रोगाच्या नियंत्रणासाठी केली जाते.

वापरासाठी निर्देश:

पीक	रोग नियंत्रित	प्रमाण प्रति हेक्टर			शेवटची फवारणी ते कापणीतील वाट पाहण्याचा कालावधी (दिवसात)
		स.त. (ग्रॅ.)	द्रावण (ग्रॅ.)	सौम्य करण्या-साठी पाणी(ली.)	
भात	फॉल्स स्मट (उस्टिलागिनोइडिया विरेन्स)	७६७.६३	१२५०	५००	२१
मिरची	ॲन्थ्राकनोज (कोलेटोट्राइकम कॅप्सिसी)	५३७.३४	८७५	५००	३
द्राक्ष	केवडा रोग (प्लास्मोपारा विटिकोला)	७६७.६३	१२५०	५००–१०००	३
टोमॅटो	उशिराचा करपा (फायटोफथोरा इन्फेस्टन्स); प्रारांभिचा करपा (अल्टरनेरिया सोलानी)	७६७.६३	१२५०	५००	३
चहा	ब्लिस्टर ब्लाइट (एक्सोबॅसिडियम वेक्सन्स)	९२१.१५	१५००	२५०–५००	३

वापरासाठी निर्देश / फवारणीची टेक्नीक: फोलिअर स्प्रे।

हवामानाची सामान्य स्थिती: हवामानाच्या प्रतिकूल स्थितीच्या वेळी वापर करु नये.

फवारणी करण्याची पध्दत आणि वेळ, कमाल क्र.सह वारंवारता फाररणी करण्याची आणि पीक घेण्याची अवस्था: उत्पादनाचा वापर अशा प्रकारे करा जेव्हा प्रथम रोग लक्षणे दिसून येतात किंवा जेव्हा हवामान रोगाच्या विकासासाठी परिस्थिती अनुकूल आहे आणि रोगाच्या तीव्रतेवर अवलंबून ७–१० दिवसांच्या अंतराने फवारणी पुन्हा करा. आणरवी बनवू नका पीक चक्रात ४ हून अधिक वेळा फवारण्या.

फवारणी उपकरणे आणि नोझलचा प्रकार: रोपणी नंतर उत्पादन उभ्या पाण्यात ब्रॉडकास्ट केले जाते.संपूर्ण आणि एकसमान कव्हरेज सुनिश्चित करण्यासाठी फ्लड जेट नोझलसह नॅपसॅक स्प्रेअरसारख्या उच्च हाई वॉल्यूम स्प्रेअर उपकरणांचा वापर करा.

मिसळण्याच्या सुचना: उत्पादनाची आवश्यक मात्रा मोजा आणि थोड्या प्रमाणात पाण्यात मिसळा. उरलेल्या पाण्याचे प्रमाण सांगितल्याप्रमाणे व्यवस्थित हलवून टाकावे.

माती आणि पाणी: कोणत्याही खास माती आणि जल प्रबंधनाची आवश्यक्यता नाही

कोणत्या टप्प्याच्या दरम्यान कीटकनाशके कोणत्याही पिकावर लागू केली जात नाहीत: लागू नाही.

फायटो–टॉक्सिसिटी: शिफारस केलेल्या डोसमध्ये फायटोटॉक्सिक नाही.

गट	एम ०१	बुरशीनाशक

प्रतिरोधक व्यवस्थापन विधान:

१) शिफारस केलेल्या दर आणि वेळेनुसार बुरशीनाशकांचा वापर करा. कोणत्याही परिस्थितीत फवारणीचा दर लेबल शिफारशींपेक्षा जास्त वाढू नयेत. २) कृतीच्या विविध पध्दतींसह बुरशीनाके फिरवा. ३) पिकाच्या प्रादुर्भावग्रस्त भागाचे प्रभावी कव्हरेज सुनिश्चित करा.

सुरक्षेतते संबंधी खबरदारी: १. उत्पादनाचा वापर करते वेळी काहीही खावू, पीवू व धुम्रपान करु नये, पान चघळू नये. २. उत्पादनाचा वापर करते वेळी पूर्ण बाहीचा शर्ट, लांब पॅंट, रासायन प्रतिरोधक हातमोजे, मास्क आणि छाकलेले बूट वापरा. ३. हवेच्या दिशेने फवारणी करत फवारणीच्या तुषारां पासून स्वत:ला वाचवा. ४. फवारणी नोजलला तोंडाने फुंकू नये, अवरोधित नोझलला स्टेम वा ब्रश ने स्वच्छ करावे. ५. शरीरावर कोणत्याही गळतीच्या परिस्थितीत, उघड्या भागाला साबण आणि भरपूर पाण्याने धुवा. ६. हात आणि शरीराचा उघड्या भागाला व्यवस्थित धुवा. फवारणी नंतर दूषित कपडे काढून धुवा.

विषबाधेची लक्षणे: तोंडाला धातूची चव, एपिगॅस्ट्रियममध्ये जळजळ होणे, ढेकर येणे आणि हिरव्यारंगाच्या वारंवार उल्टया होणे. गंभीर प्रकरणांमध्ये अतिसार, शॉक, स्मोकी मूत्र, ऑलिगुरिया, अनुरिया, युरेमिया, एक वाढलेली टेन्डर यकृत आणि कावीळ होऊ शकते.

पुन: प्रवेश अवधि: फवारणी सुके पर्यंत ४८ तासा पर्यंत उपचारित शेतात प्रवेश करु नये.

प्रथमोपचार: जर गिळले गेल्यास: व्यक्ती शुध्दीवर असेल तर, पाण्याने तोंड स्वच्छ धुवा आणि १ किंबा २ ग्लास पाणी पिण्यास दया.व्यक्ती जर बेशुध्द असेल तर तोंडाद्वारे काहीही देवू नये. डॉक्टरला बोलवा. जोपर्यंत उपस्थित चिकित्सका द्वारे उल्टी करण्यास सांगितले जात नाही तो पर्यंत उल्टी करू नये. **जर इवासाह्वारे आत गेल्यास:** रूग्णास मोकळया हवेत आणा आणि शरीर तापमानावर लक्ष ठेवा. जर रूग्ण श्वास घेत नसेल वा श्वास घेण्यास त्रास होत असेल तर कृत्रिम श्वसन द्या, शक्यतो तोंडाने । तोंडस श्वासोच्छवास दया. चिकित्सकाचा सल्ला घ्या. **जर त्वचेशी संपर्क आल्यास:** शरीराशी संपर्क आलेला भाग साबण व भरपूर पाण्याने धुवा, या सह केस व नखे देखील धुवा, जर वेदना, लालसरपणा किंवा जळजळ कायम राहील्यास डॉक्टरचा सल्ला घ्या सर्व दूषित झालेले कपडे वेगवेगळे आणि वापर करण्यापूर्वी व्यवस्थित पणे साबण व पाण्याने वेगळे धुतले पाहिजेत. **जर डोळयांशी संपर्क झाल्यास:** तर डोळे भरपूर पाण्याने जबळ–जवळ १५ मिनिटे स्वच्छ धुवा, जर वेदना, जळजळ सहन होत नसेल लालसर पणा व प्रकाश अतिवेट्न होत असेल तर नेत्र चिकित्सकाचा सल्ला घ्या.

विषोपचार: इडीटीए, बीएएल किंवा पेनिसिलामाइन. लक्षणानुसार उपचार करा.

विल्हेवाट: १. रिकामी डब्यांचा पुर्नवापर धोकादायक आहे. डबे तीन वेळा पाण्याने खळखळून धुतले पाहीजेत आणि खळखळून धुवणाचे पाणी फवारणीच्या द्रावणात टाकले पाहीजे. २) वापरलेली पॅकेजिस मोडून–तोडून वस्तीपासून दूर जागी जमिनीत खोल पुरावीत.३) पुन: अन्य कामासाठी वापरली जाऊ नयेत म्हणून रिकामी पॅकेजिस उघड्यावर टाकू नयेत. ४) तणनाशक निर्माता व उपयोगकर्ता ह्यांचे कर्तव्य आहे कि पॅकेजिस किंवा उरलेले द्रावण किंवा फवारणीची उपकरणी धुतलेले पाणी यांची विल्हेवाट पर्यावरण किंवा पाणी प्रदुषित होणार नाही अशा सुरक्षित पद्धतीने करावी.

साठवण : १) हे बुरशीनाशक असणारी पॅकेजिस इतर माल ठेवण्यसाठी असलेल्या जागा वा खोल्या या पासून दूर जागी वा खोल्यात किंवा बुरशीनाशकांचा दर्जा व स्वरुप यांचा विचार करुन कपाटात कडीकुलपात ठेवावीत. २) हे बुरशीनाशक साठा करुन ठेवण्याची जागा उत्तम बांधणीची, कोरडी, हवा खेळती राहणारी, भरपूर उजेडाची व पुरेशी मोठी असावी त्यामुळे वाफांनी होणारे प्रदूषण टळेल.

रासायनिक संरचना:	**प्रमाण (%व/व)**
कॉपर हायड्रॉक्साइड स.त. (४०% मेटॅलिक कॉपर)	६१.४१
सोडियम सल्फेट	१२.०
पोलिकारबॉक्सिलेट, सोडियम सॉल्ट	७.०
अल्किलनाफ्थलिन सल्फोनेट, सोडियम सॉल्ट	३.०
तयारीच्या आधारा वर: नॉनआयोनिक सर्फेक्टंट, मिनरल ऑइल	२.०
काओलिन	क्यू. एस.
एकूण	१००.०%व/व

चेतावनी: १.लेबल/ लिफलेट वर नमूद केलेल्या शिवाया इतर कोणत्याही कारणासाठी वापरले जाऊ नये.२) जर उत्पादन स्प्रेमध्ये लागू केले असेल ६.५ पेक्षा कमी पीएच असलेले द्रावण,फायटो– टॉक्सिसिटी होऊ शकते.

કોસૂટ™

કોપર હાઈડ્રોક્સાઈડ ૬૧.૪૧% ડબ્લ્યુજી

(ફુગનાશક)

હેતુઃ કૃષિ ઉપયોગ માટે.

પાક અને જંતુનો સમૂહ : કોપર હાઈડ્રોક્સાઈડ ૬૧.૪૧% ડબ્લ્યુજી (૪૦% મેટાલિક કોપર સમાવિષ્ટ) બહુઆયામી પ્રતિબંધાત્મક ફુગનાશક છે. તે ડાંગર, મરચાં, દ્રાક્ષ, ટમેટા અને ચામાં નિમ્નલિખિત રોગોને કાબૂમાં લેવા માટે ભલામણ કરવામાં આવે છે.

ઉપયોગની રીત :

પાક	નિયંત્રણ થતા રોગો	પ્રતિ હેક્ટર માત્રા			છંટકાવથી લણણી સુધીના પ્રતિક્ષા (દિન)
		સ.ત. (ગ્રામ)	ફૉર્મ્યુલેશન (ગ્રામ)	પાણીમાં ધોળ (લિ.)	
ડાંગર	ફોલ્સ સ્મટ (યુસ્ટિલેજિનોઈડિયા વાઈરેન્સ)	૭૬૭.૬૩	૧૨૫૦	૫૦૦	૨૧
મરચાં	એન્થ્રેકનોઝ (કોલેટોટ્રાયચમ કેપ્સિકી)	૫૩૭.૩૪	૮૭૫	૫૦૦	૩
દ્રાક્ષ	મૃદુરોમિલ છારો (પ્લાસમોપારા વિટિકોલા)	૭૬૭.૬૩	૧૨૫૦	૫૦૦-૧૦૦૦	૩
ટમેટા	પછેતી અંગમારી (ફાયટોપ્થોરા ઈન્ફેસ્ટન્સ) વહેલી અંગમારી (આલ્ટરનેરિયા સોલાની)	૭૬૭.૬૩	૧૨૫૦	૫૦૦	૩
ચા	ફોલ્લા બ્લાઈટ (એકસોબેસિડિયમ વેકસન્સ)	૯૨૧.૧૫	૧૫૦૦	૨૫૦-૫૦૦	૩

ઉપયોગની રીત / છંટકાવની પદ્ધતિઃ ફોલિયર સ્પ્રે.

સામાન્ય રીતે હવામાનની સ્થિતિઃ માઠી હવામાનની સ્થિતિ દરમિયાન છંટકાવ કરવાનું ટાળો.

છંટકાવની રીત અને સમય, છંટકાવની મહત્તમ સંખ્યા સહિત સાતત્યતા અને છંટકાવના પાકના તબક્કાઃ છંટકાવનો સમયઃ ઉત્પાદન રોગનાં લક્ષણો પ્રથમ દેખાય અથવા રોગના વિકાસ માટે હવામાનની સ્થિતિઓ તરફેણકારી હોય ત્યારે પ્રતિબંધાત્મક છંટકાવ તરીકે ઉપયોગ કરો અને રોગની તીવ્રતાને આધારે ૭-૧૦ દિવસના અંતરે છંટકાવ દોહરાવો. પાકના ચક્રમાં ૪થી વધુ છંટકાવ નહીં કરો.

છંટકાવનું ઉપકરણ અને નોઝલનો પ્રકારઃ વ્યાપક અને એકસમાન આવરણની ખાતરી રાખવા માટે ફ્લડ જેટ નોઝલ સાથે નેપસેક સ્પ્રેયર્સ તરીકે હાઈ વોલ્યુમ સ્પ્રે ઈક્વિપમેન્ટનો ઉપયોગ કરો.

મિશ્રણ માટે સૂચનાઃ ઉત્પાદનની આવશ્યક માત્રા લો અને નાની માત્રામાં પાણી સાથે સારી રીતે મિશ્રણ કરો. સતત હલાવતા રહને નિર્દિષ્ટ અનુસાર બાકી પાણીની માત્રા પણ ઉમેરી દો.

માટી અને પાણીઃ કોઈ ચોક્કસ માટી અને પાણીની માવજત આવશ્યક્તા નથી.

કોઈપણ પાક પર જંતુનાશકનો છંટકાવ કરવાના તબક્કાઃ લાગુ નહીં.

ઝેરીપણુંઃ સૂચિત માત્રામાં ઝેરીપણું નથી.

ગ્રુપ	એમ ૦૧	ફુગનાશક

પ્રતિરોધક વ્યવસ્થાપન અંગે નિવેદનઃ

૧.ફુગનાશકોનો ભલામણ કરેલા પ્રમાણ અને સમયે જ ઉપયોગ કરો. છંટકાવનું પ્રમાણ કોઈ પણ સંજોગોમાં લેબલમાં ભલામણથી વધુ નહીં હોવું જોઈએ.૨. અલગ અલગ કૃતિનાં માધ્યમ સાથે ફુગનાશકોને ફેરવો. ૩. પાકના ચેપી ભાગના અસરકારક આવરણની ખાતરી રાખો.

સુરક્ષાની સાવચેતીઓઃ ૧. ઉત્પાદન છંટકાવ કરવા સમયે કશું ખાવું, પીવું, તમાકુ ચગળવું કે ધૂમ્રપાન નહીં કરવું જોઈએ. ૨. મિશ્રણ હાથ ધરતી વખતે લાંબી બાંયનું શર્ટ, લાંબું પેન્ટ, રસાયણ પ્રતિરોધક હાથમોજાં, માસ્ક અને આવરણવાળાં જૂતાં પહેરવાં. ૩. તમારા શરીર પર ધૂમ્ર ઊડે નહીં તે માટે પવનની વિરુદ્ધ દિશામાં છંટકાવ કરવો. ૪. સ્પ્રે નોઝલને મોઢાથી ફૂંકવું નહીં, પાતળા થડ અથવા બ્રશથી અવરોધાયેલું નોઝલ સાફ કરો. ૫. જો શરીર પર પડે તો સાબુ અને ભરપૂર પાણીથી સન્મુખ ભાગને ધોઈ નાખો. ૬. હાથ અને શરીરના અસુરક્ષિત ભાગોને હાથ ધર્યા પછી અને ખાવા- પીવા કે ધૂમ્રપાન કરવા પૂર્વે સાફ ધોઈ નાખવા જોઈએ. ઉપયોગ પછી દૂષિત કપડાં કાઢી નાખો અને અલગથી ધોઈ નાખો.

ઝેરનાં લક્ષણોઃ મોઢામાં ધાતુનો સ્વાદ, એપિગેસ્ટ્રિયમમાં બળતરાની સંવેદના, ઈરક્ટેશન અને વારંવાર ઊલટીમાં લીલા રંગની સામગ્રી નીકળવી. તીવ્ર કિસ્સામાં અતિસાર, આંચકો, ઘટ્ટ રંગનો પેશાબ, ઓલિગ્યુરિયા, યુરેમિયા, વધેલું કુમળું લિવ' અને કમળો ઉદભવી શકે છે.

પુનઃપ્રવેશ સમયગાળોઃ છંટકાવ સુકાઈ નહીં જાય ત્યાં સુધી ૪૮ કલાક માટે ઉપચારિત જગ્યામાં પ્રવેશ નહીં કરવો.

પ્રાથમિક સારવાર : જો ગળી જવાયું હોય તો : વ્યક્તિ ભાનમાં હોય અને સતર્ક હોય તો, પાણી વડે મોઢું ધૂઓ અને ૧ અથવા બે ગ્લાસ પાણી પાણી પીવા આપો. બેશુધ વ્યક્તિને ક્યારેય કંઈપણ મોં વાટે ન આપવું. ડોક્ટરને બોલાવો. સારવાર આપનારા ડૉક્ટરની ઈચ્છા ન હોય ત્યાં સુધી ઊલટી કરાવવા પ્રયાસ ન કરવો. **જો શ્વાસમાં આવ્યું હોય તો :** દરદીને તાજી હવામાં ખસેડવો અને તેના શરીરના ઉષ્ણતામાનનું ધ્યાન રાખવું. જો દરદી શ્વાસ ન લેતો હોય અથવા શ્વાસોચ્છવાસ મુશ્કેલીપૂર્વક થતો હોય તો, કૃત્રિમ રીતે શ્વાસોચ્છવાસ આપવો. ચિકિત્સકની સલાહ લેવી. **જો ત્વચાને સ્પર્શ્યું હોય તો :** શરીરના અસરગ્રસ્ત અંગોને, વાળ તથા આંગળીઓના નખની નીચે સહિત, સાબુ અને પુષ્કળ પાણી વડે સાફ કરો. જો પીડા, લાલાશ અથવા બળતરા ચાલુ રહે તો, ડૉક્ટરની સલાહ લેવી. બધાં દૂષિત વસ્ત્રો અલગ પાડવાં અને ઉપયોગમાં લેતાં પહેલાં અલગથી સાબુ અને પાણી વડે સારી રીતે ધોવાં. જો આંખોમાં પડ્યું હોય તો : પુષ્કળ પ્રમાણમાં પાણી વડે ઓછામાં ઓછી ૧૫ મિનિટ માટે આંખોને હળવાશપૂર્વક ધોવી. જો પીડા, બળતરા, લાલાશ અથવા ફોટોફોબિયા ચાલુ રહે તો, આંખ નિષ્ણાંતની સલાહ લેવી.

વિષનાશકઃ ઈડીટીએ, બીએએલ અથવા પેનિસિલામાઈન. લક્ષણ પ્રમાણે ઉપચાર કરો.

ખાલી ડબ્બા નિકાસઃ ૧. ખાલી ડબ્બા ફરીથી ઉપયોગ કરવાનું ખતરનાક છે. ડબ્બા પાણીમાં ત્રણ વાર બોળી જોઈએ અને તે પાણી છંટકાવના મિશ્રણમાં રેડી દેવું જોઈએ. ૨) પૅકેજીસ ભાંગી નાંખવાં અને વસ્તીથી દૂર દાટી દેવા. ૩) વપરાયેલાં પૅકેજીસ બહાર રાખવાં નહીં જેથી તેમનો ફરી ઉપયોગ થતો અટકે. ૪) નિંદણનાશક ના ઉત્પાદકો, તૈયાર કરનારાઓ તથા સંચાલકોની એ ફરજ રહેશે કે પૅકેજીસ અથવા વધારાની સામગ્રી અને ધોવાણનો એની સલામત રીતમાં નિકાલ કરવામાં આવે જેથી પર્યાવરણનું અથવા જળ પ્રદુષણ થતું અટકાવી શકાય.

સંગ્રહઃ ૧. ફુગનાશક ધરાવતાં પૅકેજીસ બીજી ચીજવસ્તુઓ સંગ્રહવા માટે વપરાતાં ઓરડા અથવા જગ્યાથી દૂર અલગ ઓરડા અથવા જગ્યામાં સંગ્રહવાં અથવા ફુગનાશકના જથ્થા અને પ્રકાર ઉપર આધાર રાખીને અલગ કબાટમાં તાળાંચાવીમાં બંધ કરીને રાખવાં. ૨. ફુગનાશક સંગ્રહવા માટેનાં ઓરડા અથવા જગ્યા સારી પેઠે બાંધેલાં, સૂકાં, સારો પ્રકાશ ધરાવતાં, હવાદાર અને પૂરતી મોકળાશ ધરાવતાં હોવાં. જોઈએ જેથી વરાળથી દુષિત થતું ટાળી શકાય.

રાસાયણિક સંમિશ્રણઃ	**માત્રા (% ભાર/ભાર)**
કોપર હાઈડ્રોક્સાઈડ એ.આઈ.(૪૦% મેટાલિક કોપર)	૬૧.૪૧
સોડિયમ સલ્ફેટ	૧૨.૦
પોલીકાર્બોકસિલેટ, સોડિયમ સોલ્ટ	૭.૦
આલ્કાઈલનેપ્થાલીન સલ્ફોનેટ, સોડિયમ સોલ્ટ	૩.૦
નિમ્નલિખિતને આધારે તૈયારી	
નોનઆયોનિક સરફેક્ટન્ટ્સ, મિનરલ ઓઈલ	૨.૦
કાઓલિન	પૂરતી માત્રા
કુલ	૧૦૦.૦% ભાર/ભાર

સાવચેતીઃ ૧. લેબલ / પત્રક પર નિર્દિષ્ટ સિવાયના કોઈ પણ હેતુ માટે ઉપયોગ નહીં કરવો. ૨. જો ઉત્પાદન ૬.૫ થી ઓછા ઈ ધરાવતા છંટકાવના સંમિશ્રણમાં છંટકાવ કરવામાં આવે તો ફાયટો- ટોક્સિસિટી ઉદભવી શકે છે.

In case of complaints, please contact Customer Cell ✆: 1800 102 6545 or Email ✉: Ask@fmc.com or write at Regd. Office address of FMC India Private Limited.

Manufactured by: Industrias Químicas del Vallés, S.A. Avda. Rafael Casanova 81, 08100 Mollet del Vallès (Barcelona) (España). **Imported, Repacked and Marketed by : FMC India Private Limited, Regd. Office:** TCG Financial Centre, 2nd Floor, C-53, Bandra Kurla Complex, Bandra (E), Mumbai, Bandra Suburban, Maharashtra– 400098, India. **Factory :** Survey No 40, Yashkamal Industrial Estate, Baska- Tajpura Road, Village - Panelav, Taluk - Halol, dist. Panchmahal – 389350. **Country of Manufacture : Spain.**

FMC, Cosuit, कोसूट,कोसूट, કોસૂટ, కోసూట్, ಕೋಸ್ಯೂಟ್, கோசூட், ಕೋಸ್ಯೂಟ್ and কোস্যুট are trademarks of FMC Corporation and/or an affiliate.
©2024 FMC Corporation. All rights reserved.

ਕੋਸੂਟ™
ਕਾਪਰ ਹਾਈਡਰੋਕਸਾਈਡ ੬੧.੪੧% ਡਬਲਯੂ ਜੀ
(ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ)

ਲਕਸ਼: ਖੇਤੀਬਾੜੀ ਵਿੱਚ ਵਰਤਣ ਲਈ।

ਫ਼ਸਲ ਅਤੇ ਰੋਗ ਸਮੂਹ: ਕਾਪਰ ਹਾਈਡਰੋਕਸਾਈਡ ੬੧.੪੧% ਡਬਲਯੂ ਜੀ (ਜਿਸ ਵਿਚ ੪੦% ਮੇਟਾਲਿਕ ਕਾਪਰ ਸ਼ਾਮਿਲ ਹੁੰਦਾ ਹੈ) ਇਕ ਬਹੁਪੱਖੀ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਹੈ। ਇਸ ਨੂੰ ਝੋਨੇ, ਮਿਰਚਾਂ, ਅੰਗੂਰਾਂ, ਟਮਾਟਰਾਂ ਅਤੇ ਚਾਹ ਵਿਚ ਹੇਠਲੇ ਰੋਗਾਂ 'ਤੇ ਕਾਬੂ ਪਾਉਣ ਲਈ ਵਰਤਣ ਦੀ ਸਿਫ਼ਾਰਸ਼ ਕੀਤੀ ਜਾਂਦੀ ਹੈ।

ਵਰਤਣ ਦੇ ਹਦਾਇਤਾਂ:

ਫ਼ਸਲ	ਕਾਬੂ ਕੀਤੇ ਜਾਣ ਵਾਲੇ ਰੋਗ	ਪ੍ਰਤੀ ਹੈਕਟਰ ਮਾਤਰਾ			ਆਖ਼ਰੀ ਸਪ੍ਰੇ ਤੋਂ ਕਟਾਈ ਤਕ ਉਡੀਕ (ਦਿਨ)
		ਕਿ.ਤ. (ਗ੍ਰਾ.)	ਫ਼ਾਰਮੂ (ਗ੍ਰਾ.)	ਘੋਲ ਦਾ ਪਾਣੀ (ਲਿ.)	
ਝੋਨਾ	ਫ਼ਾਲਸ ਸਮੱਟ (ਉਸਟਿਲਾਗਿਨੋਇਡੀਆ ਵਾਇਰੰਸ)	੭੬੭.੬੩	੧੨੫੦	੫੦੦	੨੧
ਮਿਰਚਾਂ	ਐਂਥਰਾਕਨੋਜ਼ (ਕੋਲੇਟੋਟ੍ਰੀਕਮ ਕੈਪਸੀਸੀ)	537.34	੮੭੫	੫੦੦	੩
ਅੰਗੂਰ	ਡੂਨੀਦਾਰ ਫਫੂੰਦੀ (ਪਲਾਜ਼ਮੋਪਾਰਾ ਵਿਟੀਕੋਲਾ)	੭੬੭.੬੩	੧੨੫੦	੫੦੦-੧੦੦੦	੩
ਟਮਾਟਰ	ਪਿਛੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ (ਫਾਈਟੋਫਥੋਰਾ ਇਨਫ਼ੈਸਟਨਸ); ਅਗੇਤੀ ਅੰਗਮਾਰੀ (ਅਲਟਰਨੇਰੀਆ ਸੋਲਾਨੀ)	੭੬੭.੬੩	੧੨੫੦	੫੦੦	੩
ਚਾਹ	ਬਲਿਸਟਰ ਅੰਗਮਾਰੀ (ਐਕਸੋਬੇਸੀਡੀਅਮ ਵੈਕਸਾਨਸ)	੯੨੧.੧੫	੧੫੦੦	੨੫੦-੫੦੦	੩

ਵਰਤਣ ਦੇ ਤਰੀਕੇ ਬਾਰੇ ਹਦਾਇਤਾਂ: ਫ਼ਲੀਅਰ ਸਪ੍ਰੇ

ਆਮ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਾਤ: ਵਿਪਰੀਤ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਤ ਵਿੱਚ ਨਾ ਵਰਤੋ।

ਵਰਤਣ ਦਾ ਤਰੀਕਾ ਅਤੇ ਸਮਾਂ, ਬਾਰੰਬਾਰਤਾ ਬਸ਼ਮੂਲ ਸਪ੍ਰੇਆਂ ਦੀ ਅਧਿਕਤਮ ਸੰਖਿਆ ਵਰਤਣ ਲਈ ਫ਼ਸਲ ਦੀ ਅਵਸਥਾ: ਜਦ ਰੋਗ ਦੀਆਂ ਪਹਿਲੀਆਂ ਇਲਾਮਤਾਂ ਦਿਸਣ ਜਾਂ ਜਦ ਰੋਗ ਪੈਦਾ ਹੋਣ ਲਈ ਮੌਸਮੀ ਹਾਲਾਤ ਖ਼ੁਸ਼ਗਵਾਰ ਹੋਣ ਤਾਂ ਦਵਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ ਅਤੇ ਰੋਗ ਦੀ ਤੀਬਰਤਾ ਅਨੁਸਾਰ ੭-੧੦ ਦਿਨਾਂ ਦੇ ਵਕਫ਼ੇ ਨਾਲ ਵਰਤੋਂ ਨੂੰ ਦੁਹਰਾਓ। ਇਕ ਫ਼ਸਲੀ ਚੱਕਰ ਦੌਰਾਨ ੪ ਤੋਂ ਵੱਧ ਵਾਰੀ ਨਾ ਵਰਤੋ।

ਸਪ੍ਰੇ ਉਪਕਰਨ ਅਤੇ ਨੋਜ਼ਲ ਪ੍ਰਕਾਰ: ਮੁਕੰਮਲ ਤੇ ਇਕਸਾਰ ਕਵਰੇਜ ਲਈ ਫ਼ੋਲਡ ਜੈਟ ਨੋਜ਼ਲ ਲਗਾ ਕੇ ਨੈਪਸੈਕ ਸਪ੍ਰੇਅਰ ਵਰਗੇ ਹਾਈ ਵਾਲਿਊਮ ਸਪ੍ਰੇ ਉਪਕਰਨ ਨਾਲ ਸਪ੍ਰੇ ਕਰੋ।

ਮਿਲਾਉਣ ਲਈ ਹਿਦਾਇਤਾਂ: ਉਤਪਾਦ ਦੀ ਲੋੜੀਂਦੀ ਮਾਤਰਾ ਨਾਪ ਕੇ ਥੋੜੇ ਜਿਹੇ ਪਾਣੀ ਵਿਚ ਮਿਲਾਓ। ਫੇਰ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਮਾਤਰਾ ਦੀਆਂ ਸ਼ਰਤਾਂ ਅਨੁਸਾਰ, ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਹਿਲਾਉਂਦੇ ਹੋਇਆਂ, ਪਾਣੀ ਦੀ ਬਾਕੀ ਮਾਤਰਾ ਇਸ ਵਿਚ ਮਿਲਾ ਦਿਓ।

ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ: ਮਿੱਟੀ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦੇ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਬਾਰੇ ਕੋਈ ਵਿਸ਼ੇਸ਼ ਸੁਝਾਅ ਨਹੀਂ ਹੈ।

ਉਹ ਅਸਥਿਤੀਆਂ ਜਦੋਂ ਕੋਈ ਕੀਟਨਾਸ਼ਕ ਕਿਸੇ ਵੀ ਫ਼ਸਲ ਵਿਚ ਨਹੀਂ ਵਰਤਣਾ ਚਾਹੀਦਾ: ਲਾਗੂ ਨਹੀਂ।

ਪੌਦਾ ਵਿਸ਼ਲੇਪਨ: ਸੁਝਾਈਆਂ ਮਾਤਰਾਵਾਂ ਵਰਤਣ ਨਾਲ ਪੌਦਿਆਂ ਲਈ ਕੋਈ ਵਿਸ਼ਲੇਪਨ ਪੈਦਾ ਨਹੀਂ ਹੁੰਦਾ।

ਗਰੁੱਪ	ਐਮ ੦੧	ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ

ਪ੍ਰਤੀਰੋਧ ਪ੍ਰਬੰਧਨ ਦਾ ਬਿਆਨ: ੧. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਸੁਝਾਏ ਗਏ ਸਮੇਂ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਵਿਚ ਹੀ ਕਰੋ। ਕਿਸੇ ਵੀ ਹਾਲਤ ਵਿਚ ਦਵਾ ਦੀ ਮਾਤਰਾ ਲੇਬਲ ਵਿਚ ਦੱਸੇ ਗਏ ਤੋਂ ਵਧਾਉਣੀ ਨਹੀਂ ਚਾਹੀਦੀ। ੨. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਨੂੰ ਵਿਭਿੰਨ ਕਾਰਜ-ਵਿਧੀ ਵਾਲੇ ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਨਾਲ ਬਦਲ ਬਦਲ ਕੇ ਵਰਤੋ। ੩. ਫ਼ਸਲ ਦੇ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗਾਂ ਦੀ ਅਸਰਦਾਰ ਕਵਰੇਜ ਨੂੰ ਯਕੀਨੀ ਬਣਾਓ।

ਸੁਰੱਖਿਆ ਸਾਵਧਾਨੀਆਂ: ੧. ਦਵਾ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਦੌਰਾਨ ਨਾ ਕੁਝ ਖਾਓ ਪੀਓ ਨਾ ਹੀ ਧੂਮਰਪਾਨ ਕਰੋ, ਨਾ ਪਾਨ ਚਬਾਓ। ੨. ਦਵਾ ਨੂੰ ਹੈਂਡਲ ਕਰਨ ਦੌਰਾਨ ਬਚਾਅਕਾਰੀ ਵਸਤਰ ਪਹਿਨੋ ਜਿਵੇਂ ਲੰਮੀਆਂ ਬਾਂਹਾਂ ਵਾਲੀ ਕਮੀਜ਼, ਪਤਲੂਨ, ਰਸਾਇਣ ਰੋਧਕ ਦਸਤਾਨੇ, ਮਾਸਕ ਅਤੇ ਢੱਕੇ ਹੋਏ ਬੂਟ। ੩. ਹਵਾ ਦੇ ਰੁਖ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖੋ ਅਤੇ ਸਪ੍ਰੇ ਦੀਆਂ ਬੂੰਦਾਂ ਆਪਣੇ ਆਪ 'ਤੇ ਨਾ ਪੈਣ ਦਿਓ। ੪. ਡੱਕੀ ਗਈ ਨੋਜ਼ਲ ਨੂੰ ਮੂੰਹ ਨਾਲ ਫੂਕ ਮਾਰ ਕੇ ਸਾਫ਼ ਨਾ ਕਰੋ, ਇਸ ਕੰਮ ਲਈ ਕਿਸੇ ਤਾਰ ਜਾਂ ਪਤਲੇ ਤੀਲ੍ਹੇ ਦੀ ਵਰਤੋਂ ਕਰੋ। ੫. ਜੇ ਦਵਾ ਦੀਆਂ ਛਿੱਟਾਂ ਸਰੀਰ 'ਤੇ ਪੈ ਜਾਣ ਤਾਂ ਬਹੁਤ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਸਾਬਣ ਨਾਲ ਧੋ ਕੇ ਸਾਫ਼ ਕਰ ਲਓ। ੬. ਕੰਮ ਖ਼ਤਮ ਕਰਨ ਅਤੇ ਕੁਝ ਖਾਣ ਪੀਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਹੱਥਾਂ ਅਤੇ ਸਰੀਰ ਦੇ ਅਨਢੱਕੇ ਭਾਗਾਂ ਨੂੰ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ਦਵਾ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਬਾਅਦ ਆਪਣੇ ਵਸਤਰਾਂ ਨੂੰ ਉਤਾਰ ਕੇ ਧੋ ਲਓ।

ਵਿਸ਼ੈਲੇ ਅਸਰ ਦੇ ਲੱਛਣ: ਮੂੰਹ ਵਿਚ ਖੱਟਾ-ਮਿੱਠਾ (ਧਾਤ ਵਰਗਾ ਸਵਾਦ, ਏਪੀਗੈਸਟ੍ਰੀਅਮ ਵਿਚ ਜਲਣ ਦਾ ਅਹਿਸਾਸ ਇਰਕਟੇਸ਼ਨ ਅਤੇ ਬਾਰ-ਬਾਰ ਹਰੇ ਜਿਹੇ ਮੁਵਾਦ ਵਾਲੀਆਂ ਉਲਟੀਆਂ। ਕੁਝ ਹਾਲਤਾਂ ਵਿਚ ਦਸਤ, ਡਰ, ਧੁਏਂਦਾਰ ਪਿਸ਼ਾਬ, ਓਲੀਗੁਰੀਆ, ਅਨੁਰੀਆ, ਯੂਰੇਮੀਆ, ਵਧਿਆ ਨਰਮ ਜਿਗਰ ਅਤੇ ਪੀਲੀਆ ਵੀ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

ਵਾਪਸੀ ਪ੍ਰਵੇਸ਼ ਦੀ ਮਿਆਦ: ਸਪ੍ਰੇ ਦੇ ਪੂਰੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਸੁੱਕਣ ੪੮ ਘੰਟਿਆਂ ਤਕ ਇਲਾਜ ਕੀਤੇ ਹਲਕੇ ਵਿੱਚ ਦਾਖ਼ਲ ਨਾ ਹੋਵੋ।

ਫੌਰੀ ਇਲਾਜ: ਜੇ ਨਿਗਲਿਆ ਜਾਵੇ: ਜੇ ਵਿਅਕਤੀ ਹੋਸ਼ ਵਿੱਚ ਅਤੇ ਚੁਕੰਨਾ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਕੁਰਲੀ ਕਰਵਾ ਦਿਓ ਅਤੇ ੧ ਜਾਂ ੨ ਗਲਾਸ ਪਾਣੀ ਪੀਣ ਲਈ ਦਿਓ। ਬੇਹੋਸ਼ ਵਿਕਤੀ ਨੂੰ ਕਦੇ ਵੀ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਕੁਝ ਨਾ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਨੂੰ ਬੁਲਾਓ। ਉਲਟੀ ਨਾ ਕਰਵਾਓ ਜਦੋਂ ਤਕ ਇਲਾਜ ਕਰ ਰਿਹਾ ਡਾਕਟਰ ਨਾ ਚਾਹੇ। **ਜੇ ਸਾਹ ਰਾਹੀਂ ਅੰਦਰ ਚਲਾ ਜਾਵੇ:** ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਤਾਜ਼ੀ ਹਵਾ ਵਿੱਚ ਲੈ ਜਾਓ ਅਤੇ ਉਸ ਦੇ ਤਾਪਮਾਨ ਦਾ ਧਿਆਨ ਰੱਖੋ। ਜੇ ਮਰੀਜ਼ ਨੂੰ ਸਾਹ ਨਹੀਂ ਆ ਰਿਹਾ ਜਾਂ ਸਾਹ ਲੈਣ ਵਿੱਚ ਤਕਲੀਫ਼ ਹੋ ਰਹੀ ਹੈ, ਤਾਂ ਬਣਾਵਟੀ ਸਾਹ ਦਿਓ, ਖ਼ਾਸ ਤੌਰ 'ਤੇ ਮੂੰਹ ਰਾਹੀਂ ਸਾਹ ਦਿਓ। ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। **ਚਮੜੀ ਤੇ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ:** ਵਾਲਾਂ ਅਤੇ ਉਂਗਲੀਆਂ ਦੇ ਨੌਹਾਂ ਸਮੇਤ ਸਰੀਰ ਦਾ ਪ੍ਰਭਾਵਿਤ ਭਾਗ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲਓ। ਜੇ ਦਰਦ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਜਲਣ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ। ਸਾਰੇ ਦੂਸ਼ਿਤ ਕੱਪੜੇ ਵੱਖ ਕਰ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਅਤੇ ਵਰਤਣ ਤੋਂ ਪਹਿਲਾਂ ਸਾਬਣ ਲਾ ਕੇ ਕਾਫ਼ੀ ਸਾਰੇ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਚੰਗੀ ਤਰ੍ਹਾਂ ਧੋ ਲੈਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ। **ਅੱਖਾਂ ਵਿੱਚ ਪੈਣ ਦੇ ਮਾਮਲੇ ਵਿੱਚ:** ਘੱਟੋ-ਘੱਟ ੧੫ ਮਿੰਟਾਂ ਤਕ ਪਾਣੀ ਦੇ ਛਿੱਟੇ ਮਾਰੋ। ਜੇ ਦਰਦ, ਜਲਣ, ਲਾਲੀ ਜਾਂ ਚਾਨਣ-ਤ੍ਰਾਸ ਜਾਰੀ ਰਹੇ, ਤਾਂ ਡਾਕਟਰ ਦੇ ਮਾਹਰ ਦੀ ਸਲਾਹ ਲਓ।

ਵਿਸ਼ਨਿਵਾਰਕ: ਈਡੀਟੀਏ, ਬੀਏਐਲ ਜਾਂ ਪੈਨੀਸਿਲਾਮੀਨ। ਇਲਾਮਤੀ ਇਲਾਜ ਕਰੋ।

ਖ਼ਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਨਿਪਟਾਰਾ: ੧. ਖ਼ਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਦੁਬਾਰਾ ਵਰਤਣਾ ਖ਼ਤਰਨਾਕ ਹੈ। ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਤਿੰਨ ਵਾਰ ਪਾਣੀ ਨਾਲ ਧੋ ਕੇ ਇਸ ਪਾਣੀ ਨੂੰ ਸਪ੍ਰੇ ਮਿਕਸ ਵਿੱਚ ਮਿਲਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ੨. ਖ਼ਾਲੀ ਹੋਏ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਤੋੜ ਕੇ ਵਸੋਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਦਫ਼ਨਾ ਦੇਣਾ ਚਾਹੀਦਾ ਹੈ। ੩. ਖ਼ਾਲੀ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਨੂੰ ਬਾਹਰ ਨਾ ਪਏ ਰਹਿਣ ਦਵੋ ਤਾਂ ਕਿ ਦੁਬਾਰਾ ਨਾ ਵਰਤੇ ਜਾ ਸਕਣ। ੪. ਇਹ ਨਦੀਨਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਨਿਰਮਾਤਾ, ਫ਼ਾਰਮੂਲੇਟਰ ਤੇ ਵਰਤਣ ਵਾਲੇ ਦਾ ਫ਼ਰਜ਼ ਹੈ ਕਿ ਵਾਧੂ ਬਚੀ ਦਵਾਈ, ਮਸ਼ੀਨ ਵਿੱਚੋਂ ਨਿਕਲਣ ਵਾਲੇ ਪਾਣੀ ਅਤੇ ਕੰਟੇਨਰਾਂ ਦਾ ਨਿਪਟਾਰਾ ਏਦਾਂ ਸੁਰੱਖਿਆ ਨਾਲ ਕਰਨ ਕਿ ਇਸ ਨਾਲ ਵਾਤਾਵਰਣ ਅਤੇ ਪਾਣੀ ਦਾ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਹੋਵੇ।

ਸਟੋਰੇਜ: ੧. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਦੇ ਪੈਕੇਜਾਂ ਨੂੰ ਦੂਜੀਆਂ ਚੀਜ਼ਾਂ ਵਸਤਾਂ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰਿਆਂ ਤੋਂ ਦੂਰ ਵੱਖਰੇ ਕਮਰਿਆਂ ਵਿੱਚ ਜਾਂ ਦਵਾਈ ਦੀ ਕਿਸਮ ਅਤੇ ਮਾਤਰਾ ਦੇ ਅਨੁਸਾਰ ਅਲੱਗ ਅਲਮਾਰੀ ਅੰਦਰ ਤਾਲਾ ਮਾਰ ਕੇ ਰੱਖੋ। ੨. ਫਫੂੰਦੀਨਾਸ਼ਕ ਰੱਖਣ ਵਾਲੇ ਕਮਰੇ ਮਜ਼ਬੂਤ ਬਣੇ ਹੋਏ, ਸੁੱਕੇ, ਚੰਗੇ ਰੌਸ਼ਨੀਦਾਰ, ਹਵਾਦਾਰ ਅਤੇ ਖੁੱਲ੍ਹੇ ਡੁੱਲ੍ਹੇ ਸਾਈਜ਼ ਦੇ ਹੋਣੇ ਚਾਹੀਦੇ ਹਨ ਤਾਂ ਕਿ ਹਵਾ ਨਾਲ ਪ੍ਰਦੂਸ਼ਣ ਨਾ ਫੈਲ ਸਕੇ।

ਰਸਾਇਣਿਕ ਮਿਸ਼ਰਨ:	ਅੰਸ਼ (%ਵ/ਵ)
ਕਾਪਰ ਹਾਈਡਰੋਕਸਾਈਡ ਏ. ਆਈ. (੪੦ ਮੇਟਾਲਿਕ ਕਾਪਰ)	੬੧.੪੧
ਸੋਡੀਅਮ ਸਲਫ਼ੇਟ	੧੨.੦
ਪੋਲੀਕਾਰਬੋਕਸੀਲੇਟ, ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ:	੭.੦
ਅਲਕਾਈਲਨਾਫ਼ਥਾਲੀਨ ਸਲਫ਼ੋਨੇਟ, ਸੋਡੀਅਮ ਸਾਲਟ:	੩.੦
ਇਸ ਉੱਤੇ ਆਧਾਰਿਤ ਤਿਆਰੀ:	
ਨੌਨੀ ਔਨਿਕ ਸਰਫ਼ੇਕਟੈਂਟਸ, ਮਿਨਰਲ ਆਇਲ:	੨.੦
ਕਾਓਲਿਨ	ਕਿਊ.ਐਸ.
ਕੁੱਲ:	੧੦੦.੦%ਵ/ਵ

ਸਾਵਧਾਨੀ: ੧. ਲੇਬਲ / ਪਰਚੇ ਵਿਚ ਨਿਰਧਾਰਿਤ ਕੀਤੇ ਬਿਨਾ ਕਿਸੇ ਵੀ ਹੋਰ ਮਤਲਬ ਲਈ ਨਾ ਵਰਤੋ। ੨. ਜੇ ਉਤਪਾਦ ਨੂੰ ਐਸੇ ਸਪ੍ਰੇ ਘੋਲ ਵਿਚ ਵਰਤਿਆ ਜਾਏ ਜਿਸ ਵਿਚ ਪੀਐਚ ੬.੫ ਤੋਂ ਘੱਟ ਹੋਵੇ, ਤਾਂ ਵਨਸਪਤਿਕ ਵਿਸ਼ਲੇਪਨ ਪੈਦਾ ਹੋ ਸਕਦਾ ਹੈ।

కోసూట్™
కాపర్ హైడ్రాక్సైడ్ 61.41% డబ్ల్యుజి
(శిలీంధ్రనాశని)

ప్రధాన ఉద్ధేశ్యము : వ్యవసాయరంగంలో ఉపయోగం కోసమే

పంటలు మరియు తెగుళ్ళ గ్రూపు : కాపర్ హైడ్రాక్సైడ్ 61.41% డబ్ల్యుజి (ఇందు 40% మెటాలిక్ కాపర్ కలదు)విస్తృత చర్యగలదై, రోగనివారక చర్య విధానంగల ఒక శిలీంధ్రనాశని. ఇది వరి, మిరప, ద్రాక్షా, టమాట, మరియు తేయాకు పంటలనాశించే ఈ క్రిందనివ్వబడిన తెగుళ్ళను అరికట్టుటకై సిఫారసుచేయబడుతుంది.

వాడుటకు సూచనలు :

పంట	నివారించబడే వ్యాధులు	హెక్టారుకు మోతాదు			చివరి స్ప్రే నుండి కోతకాలం వరకూ వేచి వుండాల్సిన సమయం(రోజుల్లో)
		స.ప. (గ్రాముల్లో)	సూత్రీకరణ (గ్రాముల్లో)	నీటి పరిమాణం (లీటర్లు)	
వరి	తప్పకంకి (ఉస్థిలగినోడియా వైరెన్స్)	767.63	1250	500	21
మిరప	పక్షికన్ను కొల్లెటోట్రిచమ్ క్యాప్సికి)	537.34	875	500	3
ద్రాక్షా	బూజుతెగులు (ప్లాస్మోపారా విటికోలా)	767.63	1250	500–1000	3
టమాట	ఆకుమాడు (ఫైటోఫ్థోరా ఇన్‌ఫెస్టన్స్), లేతాకుమచ్చ (ఆల్టర్‌నారియా సొలాని)	767.63	1250	500	3
తేయాకు	మచ్చ ఎండుతెగులు (ఎక్సోబాసిడియమ్‌వెగ్జాన్స్)	921.15	1500	250–500	3

దీన్ని వాడుటకు సూచనలు మరియు వాడే విధానము : ఫోలియర్ స్ప్రే

సాధారణంగా వుండాల్సిన వాతావరణ పరిస్థితులు : ప్రతికూల వాతావరణ పరిస్థితులలో దీన్ని వాడరాదు.

వాడే విధానం మరియు సమయం, వాడే వ్యవధిలో పాటు గరిష్ట సంఖ్యలో పిచికారిలు మరియు పంట దశ : ఈ ఉత్పాదనను రోగనివారణోపాయంగా వాడుకోవాలి. ముందుగా రోగలక్షణాలు కనీకనబడగానే, లేదా వాతావరణ పరిస్థితులు తెగుళ్ళ అభివృద్ధికి అనుకూలంగా నున్నప్పుడు వాడాలి. జబ్బు యొక్క తీవ్రతను బట్టి 7 నుంచి 10 రోజుల వ్యవధినిస్తూ తిరిగి పిచికారి చేసుకోవాలి.ఈ విధంగా ఒక పంట జీవనచక్రంలో నాల్గు తడవలు కన్నా ఎక్కువ సార్లు పిచికారి చేయరాదు.

స్ప్రే పరికరాలు మరియు నాజిల్ రకం: ఇప్పుడు ఫ్లడ్ జెట్ నాజిల్ బిగించబడిన న్యాప్‌స్యాక్ స్ప్రేయర్‌తో పిచికారి చేసుకుంటే; చక్కగా పొలమంతా అలుముకుపోతుంది. ప్రతికూల వాతావరణ పరిస్థితులలో పిచికారి చేయరాదు.

మొక్కలపై విషప్రభావము: కాల్సినంత పరిమాణంలో ఈ మందు మోతాదును కొలతవేసి ఒక గిన్నెలో తీసుకొని, దానిలో కొద్దిగా నీరు పోసి బాగా కలుపుకుంటూ చిక్కని ద్రావకాన్ని తయారుచేసుకొని ,దానికి మిగతా నీటిని కలపాలి.

నేల మరియు నీరు: ప్రత్యేకించి ఫలానా నేల మరియు నీరు వాడే యాజమాన్య పద్ధతులేమీ లేవు.

ఏ పంటదశలో ఎటువంటి పురుగుమందు ఎటువంటి పంటమీద వాడరాదు : వర్తించదు.

ఫైటో టాక్సిసిటీ : సిఫారసు చేయబడిన మొతాదులో ఫైటోటాక్సిక్ కాదు.

గ్రూప్	ఎమ్ 01	శిలీంధ్రనాశని

తట్టుకోగల శక్తి యాజమాన్యంపై ప్రకటన:

1.ఈ శిలీంధ్రనాశనిని సిఫారసుచేయబడిన మోతాదులలోనూ మరియు సమయాలలోనే వాడాలి.ఏ పరిస్థితులలోనైనా లేబుల్‌లో సూచించిన మోతాదును మించి వాడరాదు. 2. దీన్ని ఇతర చర్య విధానాలు గల శిలీంధ్రనాశనులతో రొటేట్(మార్చుతూ) చేస్తూ వుండాలి. 3. తెగులు సోకిన పంటపై బాగా అలుముకుపోయేలా పిచికారి చేసుకోవాలి.

సురక్షణకై తీసుకోవలసిన ముందుజాగ్రత్తలు: 1.దీన్ని జల్లేటప్పుడు ఏదైనా తినడం,త్రాగటం,లేదా పొగపీల్చడం మరియు కిళ్ళీ లేదా తమలపాకులు నమలడం లాంటి పనులు చేయరాదు. 2. దీన్ని జల్లేవారు పూర్తి రక్షణ దుస్తులను ధరించాలి. అంటే: పొడవాటి స్లీవ్స్‌గల చొక్కా,,ఫుల్ ప్యాంట్,కెమికల్స్‌ను తట్టుకోగల చేతి తొడుగులు, ముఖానికి మాస్క్,,కాళ్ళకు బూట్లు,కళ్ళకు నల్లకళ్ళదాలు, తలకు టోపీ లాంటివి ధరించాలి.3. దీన్ని జల్లేటప్పుడు గాలి వాటాన్ని బట్టే జల్లుకోవాలి గానీ గాలికి ఎదురుగా జల్లుకోరాదు.దానివలన మందు తుంపర్లు శరీరం మీద పడకుండా కాపాడుకోవచ్చు.4.స్ప్రే నాజిల్ ఒకవేళ పూడుకుపోయి పిచికారి సరిగా అవ్వకపోతే, సన్నని పుల్ల లేదా బ్రష్‌తో క్లీన్ చేసుకోవాలే గానీ నాజిల్‌ను నోటితో ఉదరాదని గుర్తుంచుకోండి. 5.ఒకవేళ మందు తుంపర్లు శరీరం మీద పడినట్లయితే, వెంటనే సబ్బువాడుతూ ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. 6.దీన్ని జల్లుకోవడం అయిపోగానే కాళ్ళు, చేతులను అలేగే తుంపర్లు పడిన శరీరభాగాలను,మరియు ఏదైనా తినడానికి,త్రాగడానికి మరియు పొగపీల్చడానికి ముందు సబ్బువాడుతూ ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. పిచికారి పని అవ్వగానే కలుషితమైన బట్టలను తీసివేసి వేరుగా ఉతుకుని ఆరవేసుకోవాలి.

విషలక్షణాలు : నోటిలో లోహపు రుచి, అన్నవాహికలో మంటొచ్చినట్లుడటం, పులితేపులుతోపాటు ఆకుపచ్చరంగులో వాంతులవడం. మరింత ప్రమాదకర పరిస్థితులలో అతిసారం, తీవ్రంగా శరీరంలో కుదుపు రావడం, మూత్రంతో పొగరావడం,స్వల్పమూత్ర విసర్జన, మూత్రం బందవడం, రక్తంలో యూరియా ఎక్కువుండటం, కాలేయం మెత్తపడి ఉబ్బడం,మరియు పచ్చకామెర్ల జబ్బు సోకే ప్రమాదం లాంటివి సంభవించవచ్చు.

తిరిగి –ప్రవేశించవలసిన సమయం: జల్లుకున్న పిచికారి ఆరిపోయేంతవరకూ,అంటే కనీసం 48 గంటల వరకూ ఆ ఏరియాలోకి తిరిగి ప్రవేశించరాదు.

ప్రథమచికిత్స: ఒకవేళ మ్రింగినట్లయితే: ఒకవేళ విషపూరితమైన వ్యక్తి స్పృహలోనూ మరియు చురుకుగా వున్నట్లయితే,నీటితో నోరు బాగా పుక్కిలించేలా చేసి 1 లేదా 2 గ్లాసుల నీరు త్రాగించాలి. స్పృహలోలేని వ్యక్తికి నోటిద్వారా ఏదీ ఇవ్వరాదన్న విషయం గుర్తుంచుకోవాలి.డాక్టర్‌గార్ని వెంటనే పిలవాలి.వీరిని పర్యవేక్షించే డాక్టర్‌గారి అనుమతి లేకుండా, రోగిని వాంతి చేయించుటకు ప్రేరేపించరాదు. **ఒకవేళ పీల్చినట్లయితే:** రోగిని వెంటనే ఆరుబయటకు తరలించాలి మరియు తన బాడీ టెంపరేచర్ పెరగకుండా చూస్తూవుండాలి.ఒకవేళ రోగి శ్వాస పీల్చలేని స్థితిలోనున్నా లేదా పీల్చడంలో ఇబ్బందిగావున్నా తనకు కృత్రిమ శ్వాస కల్పించాలి.అందుకోసం తన నోటిలో వేరే వారు నోరుపెట్టి శ్వాస కల్పించాలి.వెంటనే డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించడం మంచిది. **ఒకవేళ చర్మానికి అంటినట్లయితే:** కలుషితమైన శరీరభాగాలనే గాక,జుట్టు మరియు గోళ్ల క్రింద కూడా సబ్బు వాడుతూ శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు,దురదలున్నా మరి నొప్పివున్నా డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.కలుషితమైన బట్టలను వెంటనే తీసివేసి, వాటిని వేరుగా ఉతికించి , ఆరబెట్టిన పిదపే తిరిగి వాడాలి. **ఒకవేళ కళ్ళలో పడినట్లయితే:** కనీసం 15 నిమిషాల వరకూ కళ్ళలో నీరెక్కువ కొట్టుకుంటూ జాగ్రత్తగా కళ్ళు కడుక్కోవాలి. శుభ్రమైన ఎక్కువ నీటితో శుభ్రపర్చుకోవాలి. ఒకవేళ శరీరం ఎర్రబడినా లేదా దద్దురు,దురదలున్నా , నొప్పివున్నా అలాగే వెలుగుచూసి భయపడటం లాంటి లక్షణాలుంటే వెంటనే కళ్ల డాక్టర్‌గార్ని సంప్రదించాలి.

విరుగుడు : EDTA, BAL లేదా పెన్సిలామైన్. విషలక్షణాలనుబట్టి చికిత్స జరిపించాలి.

ఖాళీ డబ్బాలను మిగిలిపోయిన మందును పారవేయడం: 1. ఖాళీ డబ్బాలను తిరిగి ఏ విధంగానూ వాడరాదు, అలా చేయడం చాలా ప్రమాదకరం. డబ్బాలను పారవేయుటకు ముందు బాగా నీళ్ళతో మూడుసార్లు రిన్స్‌చేసి ఆ నీటిని స్ప్రే మిక్స్‌లో కలపాలి. 2. వొఠి చేతులతో దీన్ని కలపరాదు. 3. పిల్లలకు అందకుండా దూరంగా వుంచాలి. అలాగే దీన్ని ఆహార పదార్థములు, పశువుల దాణా, మంటలు, వేడిమికి దూరంగా నిల్వ చేయాలి. దీన్ని చల్లగానున్న చోట తాళం వేసి నిల్వ చేయాలి. 4. దీన్ని తయారు చేయువారు, ఫార్ములేటర్స్ మరియు వాడేవారి యొక్క విధియై వుంది. ఖాళీ డబ్బాలను, మిగిలిపోయిన మందు లేదా పిచికారి చేసిన పరికరాలు కడుగగా వచ్చిన నీటిని కడుజాగ్రత్త వహిస్తూ అంటే పరిసరాలు, నీరు కలుషితం కాకుండా పారవేసుకోవాలి. ఖాళీ ప్యాకేజీలను, డబ్బాలను తిరిగి ఏవిధంగానూ వాడరాదు. అలా బయట వదిలేయరాదు.

నిల్వ: 1. శిలీంధ్రనాశని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు ఇతర పదార్థములను అంటే మరి ముఖ్యంగా ఆహార పదార్థములను, పశువుల దాణాను నిల్వ చేసే గదులు ఆవరణలకు దూరంగా వీటి యొక్క పరిమాణము మరియు సైజాన్నిబట్టి వేరువేరు అలమారాలలో పెట్టి తాళం వేసి బిగంచి మాత్రమే జిల్వ చేయాలి. 2. శిలీంధ్రనాశని నిల్వ చేసే గదులు లేదా ఆవరణలు మంచి గట్టి కట్టడములై, పొడిగా, మంచి గాలీ వెలుతురు ప్రసరించేలా విశాలంగా వుండాలి. తద్వారా వీటి ఆవిరివల్ల పరిసరాలు కలుషితం కాకుండా కాపాడుకోవచ్చు.

రసాయనిక మిశ్రమం :	పరిమాణం (% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు)
కాపర్ హైడ్రాక్సైడ్ స.ప.(40%మెటాలిక్ కాపర్):	61.41
సోడియం సల్ఫేట్:	12.0
పాలీకార్బోగ్జిలేట్,సోడియంసాల్ట్ :	7.0
ఆల్కైల్‌నాఫ్తలీన్ సల్ఫోనేట్, సోడియం సాల్ట్ :	3.0
దీని తయారీ వీటిపై ఆధారపడివుంది : నాన్ ఐయోనిక్ సర్ఫెక్టెంట్స్,	
మినిరల్ ఆయిల్ :	2.0
కయొలీన్ :	తయారీకి చాలినంత
మొత్తం :	100.0% డబ్ల్యు/డబ్ల్యు

హెచ్చరికలు :1.దీని లేబుల్ లేదా కరపత్రంలో ప్రత్యేకించి ఇవ్వబడిన ఉద్ధేశ్యాలకు తప్ప వేరేగా దీన్ని వాడరాదు. 2. ఒక వేళ ఈ ఉత్పాదనలో pH (సీసం) 6.5 కన్నా తక్కువగా వుండి, దీన్ని స్ప్రే ద్రావకంగా వాడినట్లయితే,బహుషా మొక్కలపై విషప్రభావం వుండవచ్చు.

கோசூட்™
காப்பர் ஹைட்ரோக்ஸைட் 61.41% டபுள்யூஜி
(பூசணக்கொல்லி)

நோக்கம்: வேளாண் பயன்பாட்டிற்கு மட்டும்

பயிர் மற்றும் பூச்சி பிரிவு: காப்பர் ஹைட்ரோக்ஸைட் 61.41% டபுள்யூஜி (40% மெடாலிக் காப்பர் அடங்கியுள்ளது) ஒரு பரந்த வீரிய செயல்பாடுள்ள தடுப்பு றையில் பயன்படுத்த ஏற்ற பூசணக்கொல்லி. நெல், மிளகாய், திராட்சை, தக்காளி மற்றும் தேயிலைப் பயிர்களில் கீழ்க்கண்ட நோய்களைத் தடுக்க பயன்படுத்த பரிந்துரைக்கப்படுகிறது.

பயன்படுத்தும் விதம் :

பயிர்	கட்டுப்படுத்தப்படும் நோய்கள்	ஒரு ஹெக்டேருக்கு அளவு			கடைசி தெளிப்புக்கும் அறுவடைக்கும் இடையே காத்திருக்கும் காலம் (நாட்கள்)
		தீ.மு. (கிராம்)	ஃபார்மு-லேஷன் (கிராம்)	கரைக்கும் நீர் அளவு (லிட்டர்)	
நெற்பயிர்	நெற்பழம் (உஸ்டிலாஜினோ-ராய்டியா வைரென்ஸ்),	767.63	1250	500	21
மிளகாய்	கருநோய்(கொல்லிடோ-டாடிரிகம் கேப்சிசி)	537.34	875	500	3
திராட்சை	அடிச்சாம்பல் நோய் (பிளஸ்மோபர விடிகோலா)	767.63	1250	500-1000	3
தக்காளி	பின்பருவ கருகல் (பைடோப்தோரா இன்ஃபெஸ்டன்ஸ்); ன் பருவ கருகல் (ஆல்டர்நேரியா சொலேனி)	767.63	1250	500	3
தேயி-லை	கொப்புளக் கருகல் (எக்ஸோபசிடியம் விக்ஸன்ஸ்)	921.15	1500	250–500	3

பயன்படுத்தும் விதம் / தெளிக்கும் வழிமுறை: ஃபோலியார் ஸ்ப்ரே

வானிலை நிலவரம் (பொதுவாக): சாதகமில்லாத வானிலையின் போது மருந்து பயன்பாட்டைத் தவிர்க்க வேண்டும்.

பயன்படுத்தும் றையும் காலம், தெளிப்பு எண்ணிக்கை மற்றும் அதிகபட்ச தெளிப்புகள். தெளிக்க வேண்டிய பயிர் வளர்ச்சிக் கட்டங்கள் : தன் தலாக நோய் அறிகுறிகள் தெரிய வந்தவுடன் அல்லது நோய் தோன்றி பரவுவதற்கு சாதகமான வானிலை உருவாகும் போது, நோய் தடுப்பு றையாக மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும், பிறகு நோய் பரவும் தீவிரத்தைப் பொருத்து 7-10 நாட்கள் இடைவெளியில் மீண்டும் மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும். ஒரு பயிர் பருவத்தில் 4 தடவைக்கும் அதிக எண்ணிக்கையில் மருந்தைத் தெளிக்கக் கூடாது.

தெளிப்பு கருவிகள் மற்றும் கூம்பு னை வகை: அதிக கொள்ளளவு கருவிகளான நாப்சாக் ஸ்பிரேயரில் வெற்று கூம்பு னை பொருத்தி ஒரே சீராக தாவரம் ழுவதும் நனையும் வகையில் மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும்.

தாவர நச்சு: சிறிதளவு தண்ணீரில் தேவையான அளவு மருந்தை சேர்த்து நன்றாகக் கலக்க வேண்டும். மீதமிருக்கும் நீரைச் சேர்க்கும் போது, தொடர்ந்து கலக்கிக் கொடுக்க வேண்டும்.

நிலம் மற்றும் நீர்: குறிப்பிட்ட நிலம் மற்றும் நீர் பாசன வசதிகள் எதுவும் தேவையில்லை.

பயிர்கள் மீது பூச்சிக்கொல்லி மருந்தை தெளிக்கக் கூடாத கட்டங்மற்றும் தவிர்க்க வேண்டிய பயிர்கள்: பொருந்தாது

தாவர நச்சு: பரிந்துரைக்கப்பட்ட அளவில் பயன்படுத்தும் போது தாவர நச்சு ஏற்படாது.

குரூப்	எம் 01	பூஞ்சணக்கொல்லி

தடுப்புத்திறன் மேலாண்மை அறிக்கை:

1. பரிந்துரைக்கப்பட்டிருக்கும் அளவு மற்றும் காலத்தில் பூசணக்கொல்லி மருந்தைப் பயன்படுத்த வேண்டும் . எந்த ஒரு சந்தர்ப்பத்திலும் லேபிளில் பரிந்துரைக்கப்பட்டிருக்கும் அளவுகளை விட அதிகமாக மருந்தைப் பயன்படுத்தக் கூடாது. 2. வெவ்வேறு செயல்பாடுள்ள பூச்சிக்கொல்லிகளை ஒன்று மாற்றி ஒன்றாகப் பயன்படுத்த வேண்டும். 3. பயிர்களின் நோய் தாக்கியிருக்கும் பகுதிகள் ழுவதும் நனையும் விதத்தில் மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும்.

பாதுகாப்பு முன்னெச்சரிக்கைகள்: 1. மருந்தைக் கையாளும் போதும் பயன்படுத்தும் போதும் எதையும் சாப்பிட, குடிக்க , அல்லது புகைபிடிக்கக் கூடாது. 2. முழுக்கை சட்டை, முழு கால் பேன்ட், இரசாயனத் தடுப்பி கையுறைகள், முகக் கவசம் மற்றும் கால்களை மூடும் ஷூக்கள் ஆகியவற்றை அணிந்து மருந்தைக் கையாள வேண்டும். 3. காற்றடிக்கும் திசையில் மருந்தைத் தெளிக்க வேண்டும், மருந்து உடல் மீதி தெறிப்பதைத் தவிர்க்க வேண்டும். 4. தெளிப்பான் கூம்பு முனையை வாய் வைத்து ஒருபோதும் ஊதக் கூடாது, அடைபட்டிருக்கும் கூம்பு முனையை மெல்லிய குச்சி அல்லது பிரஷ் பயன்படுத்தி அடைப்பை நீக்க வேண்டும். 5. மருந்து ஒருவேளை உடல் மீது தெறித்துவிட்டால், நிறைய தண்ணீரில் நன்றாகச் சோப்பு போட்டு சுத்தமாகக் குளிக்க வேண்டும். 6. சரிவர மூடப்படாத உடல் பகுதிகள் மற்றும் கைகால்களை நன்றாகச் சுத்தம் செய்து கொண்ட பிறகே சாப்பிடுதல், குடித்தல் அல்லது புகைபிடித்தல் செய்ய வேண்டும். மாசடைந்த ஆடைகளைக் கழற்றி அவற்றைத் தனியாகத் துவைத்து சுத்தம் செய்ய வேண்டும்.

நச்சுபட்ட அறிகுறிகள்: வாயில் உலோக சுவை கொடுக்கும், வயிற்றின் மேல் மையப்பகுதியில் எரிச்சல் உணர்வு தோன்றலாம், ஏப்பம் மற்றும் அடிக்கடி வாந்தி பச்சை நிறத்தில் வெளியேறலாம். மோசமான விளைவாக வயிற்றுப்போக்கு, புகைபடிந்த சிறுநீர், சிறுநீர் குறைவு, சிறுநீரில் யூரியாரத்தம், கல்லீரல் வீக்கம் மற்றும் மஞ்சள் காமாலை தோன்றலாம்.

மருந்து தெளித்த பிறகு நடமாட்டம்: மருந்து தெளித்து முடித்த பிறகு 48 மணி நேரம் வரையில் மருந்து உலரும் வரையில் நடமாட்டம் செய்யக் கூடாது.

முதலுதவி: விழுங்கியிருந்தால்: நோயாளி சுயநினைவுடன் விழிப்புடன் இருந்தால், வாயைக் கொப்பளிக்கச் செய்து 1 அல்லது 2 கிளாஸ் தண்ணீரைக் குடிக்கச் செய்யுங்கள். சுயநினைவு தவறியிருப்பவர்களுக்கு வாய் வழியாக எதையும் கொடுக்கக் கூடாது. மருத்துவரைக் கூப்பிட வேண்டும். மருத்துவரின் மேற்பார்வை இல்லாமல் நோயாளியை வாந்தி எடுக்கத் தூண்டக் கூடாது. **சுவாசித்திருந்தால்:** நோயாளியை நல்ல காற்றோட்டமுள்ள இடத்திற்கு அழைத்துச் சென்று, உடல் தட்பவெப்பத்தைக் கவனிக்க வேண்டும். ஒருவேளை நோயாளி சுவாசிக்கவில்லை அல்லது சுவாசிக்க சிரமப்படுகிறார் என்றால், வாயுடன் வாய் வழியாக ஊதி செயற்கை சுவாசமளிக்க வேண்டும். மருத்துவ உதவியைப் பெற வேண்டும். **மருந்து சருமத்தில் பட்டிருந்தால்:** நன்றாகக் குளிக்க வேண்டும். சோப்பு போட்டு நிறைய தண்ணீர் ஊற்றி குளிக்க வேண்டும். விரல் நகங்களின் கீழ் தலை முடி அனைத்தையும் நன்றாகச் சுத்தம் செய்து குளிக்க வேண்டும். வலி, கன்றுதல் அல்லது உறுத்தல் உணர்வுகள் தொடர்ந்திருந்தால், மருத்துவரிடம் சிகிச்சை பெற வேண்டும். மாசுபட்ட ஆடைகளை தனியாக நன்றாக சோப்பு போட்டு துவைத்த பிறகே மறுஉபயோகம் செய்ய வேண்டும். **கண்களில் பட்டிருந்தால்:** கண்களை நன்றாக அலம்பிக்கொள்ள வேண்டும். தொடர்ந்து 15 நிமிடங்கள் வரை கண்களில் தண்ணீரை அடித்து கழுவிக்கொள்ள வேண்டும். வலி, உறுத்தல், கன்றுதல் அல்லது பிரகாசத்தை சகிக்க முடியாத நிலைமை இருந்தால், கண் மருத்துவரிடம் சிகிச்சை பெற வேண்டும்.

நச்சுறிவு: உஈகூஅ, ஆஅஃ அல்லது ணீனுண்டிஞ்டிடுடுச்ட்டிணனு. அறிகுறிகளுக்கு ஏற்ப சிகிச்சை அளிக்கவும்.

அகற்றுதல்: 1. காலி கொள்கலன்களை மறுஉபயோகம் செய்வது ஆபத்தானது. காலி கொள்கலன்களை மூன்று முறை அலம்பி சுத்தம் செய்து சுத்தம் செய்த நீரை தெளிக்கும் கரைசலுடன் சேர்த்து தெளித்துவிட வேண்டும். 2. பேக்கேஜ்களை உடைத்து வசிப்பிடங்களுக்கு அப்பால் புதைக்கவும்.3. உபயோகித்த பேக்கேஜ்களை மறுமுறை பயன்படுத்தும் வகையில் வெளியில் விட்டு வைக்கக்கூடாது. 4. பேக்கேஜ்கள் அல்லது எஞ்சிய பொருட்கள் மற்றும் கழுவுநீர் முதலியவற்றை சுற்றுப்புற சூழல் அல்லது நீர் நிலைகளுக்கு மாசு ஏற்படாதவாறு பாதுகாப்பான அறையில் அப்புறப்படுத்த வேண்டியது மருந்தின் உற்பத்தியாளர்கள், மற்றும் உபயோகிப்பவர்களின் கடமை ஆகும்.

சேமிப்பு: 1) பூசணக்கொல்லி அடங்கிய பேக்கேஜ்களை அதன் தன்மை மற்றும் அளவை பொருத்து மற்ற பொருட்களை சேமிக்கும் அறைகள் அல்லது கட்டிடங்களுக்கு அப்பாற்பட்ட தனியான அறையில் அல்லது கட்டிடங்களில் அல்லது தனியான அலமாரியில் சேமித்து பூட்டி வைக்கவும். 2) சேமிப்பு அறைகள் நன்கு கட்டப்பட்டதாக, உலர்ந்து, நல்ல வெளிச்சம், காற்றோட்டம், ஈரத் தன்மையினால் மாசு ஏற்படுவதை தவிர்க்க போதுமான பரப்பளவு கொண்டதாகவும் இருக்க வேண்டும்.

இரசாயனச் சேர்க்கை:	அடக்கம் (% எ/எ)
காப்பர் ஹைட்ரோக்ஸைட் ஏ.ஐ. (49% மெடாலிக் காப்பர்) :	61.41
சோடியல் சல்ஃபேட் :	12.0
பாலிகார்போக்ஸிலேட், சோடியம் சால்ட்:	7.0
அல்கைல்நஃப்தலின் சல்போனேட் சே, ாடியம் சால்ட்:	3.0
இதல் அடிப்படையில் கலவை தயாரிக்கப்பட்டுள்ளது:	
நான் - அயோஇக் சர்ஃபக்டன்ட்ஸ், மினரல் ஆயில் :	2.0
கஓலின் :	஖ு.ண்.
மொத்தம்:	100.0% எ/எ

எச்சரிக்கைகள்: 1. இந்த லேபில் மற்றும் கையேட்டில் குறிப்பிட்டிருக்கும் பயிர்களைத் தவிர்த்து வேறு பயிர்கள் மீது தெளிக்கக் கூடாது. 2. இத்தயாரிப்புப் பொருள் ஸ்பிரே கரைசலாக பிளச் அளவு 6.5 க்கும் குறைவாகப் பயன்படுத்தினால் தாவர நச்சு ஏற்படுத்த டியும்.

ಕೋಸ್ಯೂಟ್™
ಕಾಪ್ಪರ್ ಹೈಡ್ರಾಕ್ಸೈಡ್ 61.41% ಡಬ್ಲ್ಯೂಜಿ
(ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕ)

ಉದ್ದೇಶ: ಕೃಷಿ ಬಳಕೆಗಾಗಿ

ಬೆಳೆ ಹಾಗೂ ಕಳೆಯ ಪಂಗಡ : ಕಾಪ್ಪರ್ ಹೈಡ್ರಾಕ್ಸೈಡ್ 61.41% ಡಬ್ಲ್ಯೂಜಿ (ಇದರಲ್ಲಿ 40% ಮೆಟ್ಯಾಲಿಕ್ ಕಾಪ್ಪರ್ ಸೇರಿದೆ), ಇದೊಂದು ಬಹುಮುಖಿ ಪ್ರತಿರೋಧಕ ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕವಾಗಿದೆ. ಇದನ್ನು ಬತ್ತ, ಮೆಣಸಿನಕಾಯಿ, ದ್ರಾಕ್ಷಿ, ಟೊಮೆಟೊ ಮತ್ತು ಚಹಾದ ಬೆಳೆಗಳ ಈ ಕೆಳಗಿನ ರೋಗಗಳನ್ನು ನಿಯಂತ್ರಿಸಲು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾಗುತ್ತದೆ.

ಬಳಕೆಗೆ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು :

ಬೆಳೆಯ ಹೆಸರು	ನಿಯಂತ್ರಿಸಲ್ಪಡುವ ರೋಗಗಳು	ಹೆಕ್ಟೇರ್ಯ ಒಂದರ ಪ್ರಮಾಣ			ಕೊನೆಯ ಸಿಂಪರ್ಣಿಕೆ ಕೊಯ್ಲಿಗೆ ಕಾಯಬೇಕಾದ ಅವ (ದಿನಗಳು)
		ಸ .ಘ (ಗ್ರಾ)	ಫಾರ್ಮ್ಯು-ಲೇಶನ್ಯ(ಗ್ರಾ)	ತೆಲು-ಗೊಳಿಸಲು ನೀರು (ಗ್ರಾ)	
ಅಕ್ಕಿ	ಫಾಲ್ಸ್‌ಸ್ಮಟ್ (ಉಸ್ಟಾಲಾಜಿನೊಯ್ಡಿಯಾ ವೈರೆನ್ಸ್)	767.63	1250	500	21
ಮೆಣಸಿನ-ಕಾಯಿ	ಆ್ಯಂಥ್ರಕ್ನೋಸ್ (ಕೊಲೆಟೊಟ್ರಿಚ್ಚಮ್ ಕ್ಯಾಪ್ಸೈಸಿ)	537.34	875	500	3
ದ್ರಾಕ್ಷಿ	ಡೌನಿ ಮಿಲ್ಡ್ಯೂ (ಪ್ಲಾಸ್ಮೊಪಾರಾ ಲಿಟಿಕೊಲಾ)	767.63	1250	500–1000	3
ಟೊಮೆಟೊ	ಸುಡುರೋಗ (ಆಲ್ಟರ್ನೆರಿಯ ಸೊಲಾನಿ)	767.63	1250	500	3
ಚಹಾ	ಸುಲಿತದ ಸುಡುರೋಗ (ಎಕ್ಸೊಬಾಸಿಡಿಯಮ್ ವೆಕ್ಸಾನ್ಸ್)	921.15	1500	250–500	3

ಬಳಕೆ/ಅನ್ವಯಿಸುವಿಕೆಯ ವಿಧಾನಕ್ಕಾಗಿ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು: ಎಲೆಗಳ ಸ್ಪ್ರೇ

ಸಾಮಾನ್ಯವಾಗಿ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿ: ಪ್ರತಿಕೂಲ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳ ಅವಧಿಯಲ್ಲಿ ಕೀಟನಾಶಕದ ಅನ್ವಯಿಸುವಿಕೆ.

ಪ್ರಯೋಗಿಸುವ ಪದ್ಧತಿ ಮತ್ತು ಸಮಯ, ಗರಿಷ್ಠ ಬಾರಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸುವಿಕೆ ಮತ್ತು ಪ್ರಯೋಗಿಸುವಾಗ ಬೆಳೆಯ ಹಂತ ಸೇರಿದಂತೆ, ಪ್ರಯೋಗಿಸುವಿಕೆಯ ನಡುವಿನ ಕಾಲಾಂತರಗಳು : ಉತ್ಪಾದನವನ್ನು ರೋಗದ ಪ್ರಥಮ ಲಕ್ಷಣಗಳು ಕಂಡುಬಂದಾಕ್ಷಣ ಅಥವಾ ಹವಾಮಾನ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳು ರೋಗ ವಿಕಾಸಕ್ಕೆ ಅನುಕೂಲವಾಗಿರುವ ಸಮಯದಲ್ಲಿ ಪ್ರತಿರೋಧಕದ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬೇಕು ಮತ್ತು ರೋಗದ ತೀವ್ರತೆಯನ್ನು ಅವಲಂಬಿಸಿ 7–10 ದಿನಗಳ ಅಂತರಗಳಲ್ಲಿ ಪುನಃ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬೇಕು. ಬೆಳೆಯ ಒಂದು ಸೈಕಲ್‌ನಲ್ಲಿ 4 ಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚು ಬಾರಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಬಾರದು.

ಸಿಂಪರಣೆಯ ಉಪಕರಣ ಮತ್ತು ನಾಝುಲ್‌ನ ಮಾದರಿ : ಸಿಂಪರಣೆ ಸಂಪೂರ್ಣವಾಗಿ ಮತ್ತು ಒಂದೇ ಸಮಾನವಾಗಿ ಆವರಿಸಲಿಕ್ಕಾಗಿ ಫ್ಲಡ್ ಜೆಟ್ ನಾಝುಲ್ ಅಳವಡಿಸಿರುವ ನ್ಯಾಪ್‌ಸ್ಯಾಕ್ ಸ್ಪ್ರೇಯರ್‌ನಂಥ ಹೈ ವಾಲ್ಯೂಮ್ ಉಪಕರಣವನ್ನು ಬಳಸಬೇಕು.

ಮಿಶ್ರಣ ತಯಾರಿಕೆಗೆ ನಿರ್ದೇಶನಗಳು : ಬೇಕಾದ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ಉತ್ಪಾದನವನ್ನು ಅಳೆದು ಪಡೆದುಕೊಂಡು ಸ್ವಲ್ಪವೇ ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬೆರೆಸಿಕೊಳ್ಳಬೇಕು. ಆಂತರ ಬಾಕಿ ಉಳಿತ ಪ್ರಮಾಣದ ನೀರನ್ನು ಬೆರೆಸುತ್ತಾ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಕದಡಿಸುತ್ತಿರಬೇಕು.

ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ನೀರು: ಯಾವುದೇ ನಿರ್ದಿಷ್ಟ ಮಣ್ಣು ಮತ್ತು ನೀರಿನ ನಿರ್ವಹಣೆಯು ಅಗತ್ಯವಿರುವುದಿಲ್ಲ.

ಯಾವುದೇ ಬೆಳೆಗಾಗಿ ಕೀಟನಾಶಕದ ಪ್ರಯೋಗ ಮಾಡಬಾರದಾದ ಹಂತ: ಅನ್ವಯಿಸುವುದಿಲ್ಲ.

ಸಸ್ಯ-ವಿಷಕಾರಿತ್ವ: ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಲಾದ ಡೋಸೇಜ್‌ನಲ್ಲಿ ಬಳಸಿದಾಗ ಸಸ್ಯಗಳಿಗೆ ವಿಷಕಾರಿಯಲ್ಲ

ಗ್ರೂಪ್	M 01	ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕ

ಪ್ರತಿರೋಧನೆ ನಿರ್ವಹಣೆಯ ವ್ಯಾಖ್ಯೆ:

1.ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕವನ್ನು ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿರುವ ದರಗಳಲ್ಲಿ ಮತ್ತು ಸಮಯಗಳಲ್ಲಿ ಬಳಸಿರಿ. ಲೇಬಲ್‌ನಲ್ಲಿ ನೀಡಿರುವುದಕ್ಕಿಂತ ಹೆಚ್ಚಿನ ಡೋಸನ್ನು ಎಂದೂ ಬಳಸಬಾರದು. 2. ವಿಭಿನ್ನ ಪದ್ಧತಿಯಲ್ಲಿ ಕಾರ್ಯವೆಸಗುವ ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕಗಳನ್ನು ಪರ್ಯಾಯ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಬಳಸಿರಿ. 3. ಬೆಳೆಯ ರೋಗಗ್ರಸ್ಥ ಭಾಗವನ್ನು ಸಿಂಪರಣೆ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಆವರಿಸುವುದನ್ನು ಖಚಿತಪಡಿಸಿರಿ.

ಸುರಕ್ಷತೆಯ ಮುನ್ನೆಚ್ಚರಿಕೆಗಳು: 1. ಈ ಉತ್ಪನ್ನವನ್ನು ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡುವಾಗ ಏನನ್ನೂ ತಿನ್ನಬೇಡಿ, ಕುಡಿಯಬೇಡಿ, ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡಬೇಡಿ ಅಥವಾ ವೀಳ್ಯದೆಲೆ ಅಗಿಯಬೇಡಿ. 2. ಈ ಉತ್ಪನ್ನದ ನಿರ್ವಹಣೆ ಮಾಡುವಾಗ ತುಂಬು ತೋಳಿನ ಶರ್ಟ್, ಉದ್ದವಾದ ಪ್ಯಾಂಟ್, ರಾಸಾಯನಿಕ ನಿರೋಧಕ ಗ್ಲೌಸ್, ಮಾಸ್ಕ್, ಮಂಡಿಯವರೆಗೂ ಮುಚ್ಚುವ ಶೂಗಳನ್ನು ಧರಿಸಿ. 3. ಗಾಳಿಯು ಬೀಸುವ ದಿಕ್ಕಿನಲ್ಲಿ ಸಿಂಪಡಣೆ ಮಾಡುವ ಮೂಲಕ ಸಿಂಪಡಣೆಯ ತುಂತುರು ನಿಮ್ಮ ಹಾಗೂ ಬೇರೆ ವ್ಯಕ್ತಿಗಳ ಮೇಲೆ ಬೀಳುವುದನ್ನು ತಪ್ಪಿಸಿ. 4. ಸಿಂಪಡಣೆಯ ನಾಜಲ್ ಅನ್ನು ಬಾಯಿಯಿಂದ ಊದಬೇಡಿ, ಕಟ್ಟಿಕೊಂಡ ನಾಜಲ್ ಅನ್ನು ತೆಳುವಾದ ಸ್ಟೆಮ್ ಅಥವಾ ಬ್ರಶ್ ಬಳಸಿ ಸ್ವಚ್ಛಗೊಳಿಸಿ. 5. ಸಿಂಪಡಣೆಯು ದೇಹದ ಮೇಲೆ ಚೆಲ್ಲಲ್ಪಟ್ಟರೆ, ದೇಹದ ಆ ಭಾಗಗಳನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಹೇರಳ ಪ್ರಮಾಣದಲ್ಲಿ ನೀರನ್ನು ಬಳಸಿ ತೊಳೆಯಿರಿ. 6. ನಿರ್ವಹಣೆ ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಮತ್ತು ಆಹಾರ ಸೇವಿಸುವ, ಏನನ್ನಾದರೂ ಕುಡಿಯುವ ಅಥವಾ ಧೂಮಪಾನ ಮಾಡುವ ಮುಂಚಿತವಾಗಿ ಕೈಗಳು ಮತ್ತು ದೇಹದ ಸಂರಕ್ಷಿತವಲ್ಲದ ಭಾಗಗಳನ್ನು ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳಿ. ಬಳಕೆ ಮಾಡಿದ ನಂತರ ಕಲುಶಿತಗೊಂಡ ಬಟ್ಟೆಗಳನ್ನು ತೆಗೆಯಿರಿ ಮತ್ತು ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ತೊಳೆಯಿರಿ.

ವಿಷ ತಗಲಿದ ಲಕ್ಷಣಗಳು : ಬಾಯಿಯಲ್ಲಿ ಮೆಟ್ಯಾಲಿಕ್ ರುಚಿ ಬರುತ್ತದೆ, ಎಪಿಗ್ಯಾಸ್ಟ್ರಿಯಮ್‌ನಲ್ಲಿ ಉರಿ, ಎರುಕ್ಟೇಶನ್, ಮತ್ತು ಪದೇ ಪದೇ ಹಸಿರು ಮಿಶ್ರಿತ ವಾಂತಿ ತೋರಿಬರಬಹುದು. ತೀವ್ರ ಪರಿಸ್ಥಿತಿಗಳಲ್ಲಿ ಅದಿಭೇದಿ, ಗಾಬರಿ, ಉರಿ ಮೂತ್ರ, ಒಲಿಗುರಿಯ, ಆ್ಯನುರಿಯ, ಯುರೇಮಿಯ, ಯಕೃತ್ತಿನ ವಿಕಾಸ ಮತ್ತು ಜಾಂಡಿಸ್ ಉಂಟಾಗಬಹುದು.

ಮರು-ಪ್ರವೇಶ ಅವಧಿ: ಸಿಂಪಡಣೆಯು ಒಣಗುವವರೆಗೆ 48 ಗಂಟೆಗಳ ಕಾಲ ಸಿಂಪಡಿಸಿದ ಪ್ರದೇಶಕ್ಕೆ ಪ್ರವೇಶಿಸಬೇಡಿ.

ಪ್ರಥಮ ಚಿಕಿತ್ಸೆ: ಹೊಟ್ಟೆಯೊಳಗೆ ಸೇರಿಕೊಂಡಲ್ಲಿ: ವ್ಯಕ್ತಿಯು ಪ್ರಜ್ಞೆಯುಳ್ಳ ಸ್ಥಿತಿಯಲ್ಲಿ, ಚುರುಕಾಗಿದ್ದಲ್ಲಿ, ನೀರಿನಲ್ಲಿ ಬಾಯಿ ಮುಕ್ಕಳಿಸಿ ಬಳಿಕ 1 ಅಥವಾ 2 ಲೋಟ ನೀರು ಕುಡಿಸಿ, ಪ್ರಜ್ಞಾಹೀನನಾಗಿದ್ದಲ್ಲಿ ಬಾಯಿಯ ಮೂಲಕ ಏನನ್ನೂ ಕೊಡಬೇಡಿ. ಡಾಕ್ಟರರನ್ನು ಕರೆತರಿಸಿ. ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಇಲ್ಲದೆ ವಾಂತಿ ಮಾಡಲು ಪ್ರೇರೇಪಿಸಬೇಡಿ. **ಉಸಿರಿನಮೂಲಕ ಒಳಸೇರಿದಲ್ಲಿ:** ರೋಗಿಯನ್ನು ತಾಜಾ ಹವೆ ಇದ್ದಲ್ಲಿಗೆ ಒಯಿರಿ. ದೇಹದ ತಾಪಮಾನದ ಮೇಲೆ ನಿಗಾ ಇರಿಸಿ. ರೋಗಿಯು ಉಸಿರಾಟ ನಡೆಸದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಅಥವಾ ಕಷ್ಟದಿಂದ ಉಸಿರು ಬಿಡುತ್ತಿದ್ದಲ್ಲಿ, ಕೃತಕ ಉಸಿರಾಟವನ್ನು ಕೊಡಿರಿ. ಬಾಯಿಯಿಂದ ಬಯಿಗೆ ಉಸಿರಾಟ ನೀಡುವುದು ಉತ್ತಮ. ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ. **ಚರ್ಮಕ್ಕೆ ತಗಲಿದಲ್ಲಿ:** ಔಷಧ ತಗಲಿದ ದೇಹದ ಭಾಗವನ್ನು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ಹೇರಳನೀರು ಬಳಸಿ ಸಾಧ್ಯಂತವಾಗಿ ತೊಳಿಯಿರಿ. ಕೂದಲು ಮತ್ತು ಹಾಗುರುಗಳನ್ನೂ ತೊಳೆಯಿರಿ. ನೋವು, ಕೆಂಪಾಗುವಿಕೆ ಉರಿ ವಾಸಿಯಾಗದಿದ್ದಲ್ಲಿ ಡಾಕ್ಟರರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ. ಕಲುಷಿತಗೊಂಡ ಎಲ್ಲ ಬಟ್ಟೆ ಬರೆಗಳನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕಿಸಿ, ಪುನ: ಉಪಯೋಗಿಸುವ ಮೊದಲು ಸಾಬೂನು ಮತ್ತು ನೀರಿನಿಂದ ಪ್ರತ್ಯೇಕವಾಗಿ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಒಗೆದುಕೊಳ್ಳಿ. **ಕಣ್ಣುಗಳಿಗೆ ಸಂಪರ್ಕವಾಗದಲ್ಲಿ :** ಕನಿಷ್ಠ15 ನಿಮಿಷಗಳ ವರೆಗೆ ಸಾವಧಾನದಿಂದ ಕಣ್ಣನ್ನು ನೀರಿನಿಂದ ತೊಳೆದುಕೊಳ್ಳಿ . ನೋವು, ಕೆಂಗಣ್ಣು, ಉರಿ ಅಥವಾ ಬಿಸಿಲು ನೋಡಲು ಆಗದ ಸ್ಥಿತಿ ಮುಂದುವರಿದಲ್ಲಿ ನೇತ್ರತಜ್ಞರ ಸಲಹೆ ಪಡೆಯಿರಿ.

ಪ್ರತ್ಯೌಷಧಿ: EDTA, BAL ಅಥವಾ ಪೆನಿಸಿನಲಮೈನ್. ಲಕ್ಷಣಕ್ಕನುಸಾರ ಚಿಕಿತ್ಸೆ ಒದಗಿಸಿರಿ.

ವಿಲೇವಾರಿ : 1. ಖಾಲಿ ಡಬ್ಬಿಗಳನ್ನು ಮರುಬಳಕೆ ಮಾಡುವುದು ಅಪಾಯಕಾರಿ. ಕಳೆನಾಶಕದ ಡಬ್ಬಿಯನ್ನು ಮೂರು ಬಾರಿ ನೀರಿನಿಂದ ಚೆನ್ನಾಗಿ ಜಾಲಾಡಬೇಕು ಮತ್ತು ಜಾಲಾಡಿದ ನೀರನ್ನು ಸಿಂಪಡಣಾ ದ್ರಾವಣಕ್ಕೆ ಮಿಶ್ರಣ ಮಾಡಬೇಕು. 2. ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಒಡೆದು ಜನವಸತಿಗೆ ದೂರವಾದ ಜಾಗದಲ್ಲಿ ಹುಗಿಯಬೇಕು. 3.ಖಾಲಿ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳ ಮರು ಉಪಯೋಗ ತಡೆಗಟ್ಟಲು ಅವುಗಳನ್ನು ಹೊರಗೆ ಹಾಗೆಯೇ ಬಿಡಬಾರದು. 4. ಖಾಲಿ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳು, ಮಿಕ್ಕುಳಿದ ಪದಾರ್ಥ ಮತ್ತು ತೊಳೆ ನೀರನ್ನು ಪರಿಸರ ಮತ್ತು ಜಲಪ್ರದೂಷಣೆಯಾಗದಂತೆ ಸುರಕ್ಷಿತ ರೀತಿಯಲ್ಲಿ ವಿಸರ್ಜಿಸುವುದು, ತಯಾರಕರು, ಸೂತ್ರೀಕರಿಸುವವರು ಹಾಗೂ ಬಳಸುವವರ ಕರ್ತವ್ಯವಾಗಿದೆ.

ಶೇಖರಣೆ: .1 ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕ ಪ್ಯಾಕೇಜುಗಳನ್ನು ಇತರ ಪದಾರ್ಥಗಳನ್ನು ದಾಸ್ತಾನು ಮಾಡುವ ಕೋಣೆ ಮತ್ತು ಕಟ್ಟಡಗಳಿಂದ ದೂರವಾಗಿ ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡಗಳಲ್ಲಿ ದಾಸ್ತಾನುಮಾಡಿ. ಇಲ್ಲವೆ ಕಳೆನಾಶಕದ ಪ್ರಮಾಣ ಮತ್ತು ಸ್ವಭಾವವನ್ನು ಪರಿಗಣಿಸಿ, ಅದನ್ನು ಪ್ರತ್ಯೇಕ ಅಲಮಾರಿನಲ್ಲಿ ಬೀಗ ಹಾಕಿ ಭದ್ರಪಡಿಸಿಡಿ. 2. ಶಿಲೀಂದ್ರನಾಶಕ ಶೇಖರಿಸಿಡುವ ಕೋಣೆ ಅಥವಾ ಕಟ್ಟಡ ಚೆನ್ನಾಗಿ ನಿರ್ಮಿತವಾಗಿದ್ದು, ಅಲ್ಲಿ ಶುಷ್ಕ ವಾತಾವರಣವೂ, ಒಳ್ಳೆಯ ಗಾಳಿ ಬೆಳಕೂ ಇರಬೇಕು. ಹಬೆಯಿಂದಾಗುವ ಮಾಲಿನ್ಯವನ್ನು ತಪ್ಪಿಸುವ ಸಲುವಾಗಿ ಅದು ಸಾಕಷ್ಟು ವಿಶಾಲವಾಗಿರಬೇಕು.

ರಾಸಾಯನಿಕ ಸಂಯೋಜನೆ:	ವಸ್ತು (% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ)
ಕಾಪ್ಪರ್ ಹೈಡ್ರಾಕ್ಸೈಡ್ ಸ. ಘ. (40% ಮೆಟ್ಯಾಲಿಕ್ ಕಾಪ್ಪರ್) :	61.41
ಸೋಡಿಯಮ್ ಸಲ್ಫೇಟ್ :	12.0
ಪೊಲಿಕಾರ್ಬೋಕ್ಸಿಲೇಟ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್, ಸೋಡಿಯಮ್ ಸಾಲ್ಟ್:	7.0
ಅಲ್ಕೈಲ್‌ನ್ಯಾಫ್ಥಲೀನ್ ಸಲ್ಫೋನೇಟ್, ಸೋಡಿಯಮ್ ಸಾಲ್ಟ್:	3.0
ಇವುಗಳ ಮೇಲೆ ಆಧಾರಿತ ತಯಾರಿಕೆ :	
ನಾನ್‌ಆಯೋನಿಕ್ ಸರ್ಫೆಕ್ಟೆಂಟ್ಸ್, ಮಿನರಲ್ ಆಯಿಲ್ :	2.0
ಕಾವೊಲಿನ್ :	ಕ್ಯೂ. ಎಸ್.
ಒಟ್ಟು:	100.00% ಡಬ್ಲ್ಯೂ/ಡಬ್ಲ್ಯೂ

ಎಚ್ಚರಿಕೆ :1.ಲೇಬಲ್ ಮತ್ತು ಲೀಫ್‌ಲೆಟ್‌ನಲ್ಲಿ ಶಿಫಾರಸು ಮಾಡಿರುವುದಕ್ಕಲ್ಲದೇ ಬೇರೆ ಯಾವುದೇ ಉದ್ದೇಶಕ್ಕಾಗಿ ಇದನ್ನು ಬಳಸಬೇಡಿ.2. ಉತ್ಪಾದನವನ್ನು 6.5ಕ್ಕಿಂತ ಕಡಿಮೆ pH ಇರುವ ಸಿಂಪರಣಾ ದ್ರಾವಣದ ರೂಪದಲ್ಲಿ ಪ್ರಯೋಗಿಸಿದರೆ, ಫೊಟೊ-ಟಾಕ್ಸಿಟಾ ಉಂಟಾಗಬಹುದು.

কোস্যুট™
কপার হাইড্রক্সাইড ৬১.৪১% ডাবলুজি
(ছত্রাকনাশক)

উদ্দেশ্য: কৃষিকাজের ব্যবহারের জন্য

ফসল এবং কীটের গ্রুপ: কপার হাইড্রক্সাইড ৬১.৪১% ডাবলুজি (৪০% ধাতব কপার রয়েছে) বিস্তৃত প্রণালীর প্রতিরোধমূলক ছত্রাকনাশক। এটি ধান, লঙ্কা, আঙুর, টোম্যাটো এবং চা ফসলে নিম্নলিখিত রোগ নিয়ন্ত্রণের জন্য সুপারিশ করা হয়।

ব্যবহারের নির্দেশাবলী :

ফসল	যে রোগগুলি নিয়ন্ত্রণ করা যায়	হেক্টর পিছু মাত্রা			শেষ স্প্রে এবং ফসল তোলার মধ্যে অপেক্ষাকাল(দিন)
		সঃউঃ (গ্রাম)	ফর্মূলেশন (গ্রাম)	তরলীকরণের জল (লিটার)	
ধান	ভুষো রোগ বা লক্ষ্মীর গু (ইউস্টিলা গিনোয়ডিয়া ভিরেন্স)	৭৬৭.৬৩	১২৫০	৫০০	২১
লঙ্কা	অ্যান্থ্রাকনোজ বা পাতায় লাল দাগ (কোলেটোট্রাইকাম ক্যাপ্সিসি)	৫৩৭.৩৪	৮৭৫	৫০০	৩
আঙ্গুর	তুলা রোগ (প্লাজমোপারা ভিক্টোরা)	৭৬৭.৬৩	১২৫০	৫০০-১০০০	৩
টোম্যাটো	নাবী ধ্বসা (ফাইটোফথোরা ইনফেস্টান্স) আগাম ধ্বসা (অল্টারনেরিয়া সোলানি)	৭৬৭.৬৩	১২৫০	৫০০	৩
চা	ব্লিস্টার ধ্বসা (এক্সোবাসিডিয়াম ভেক্সান্স)	৯২১.১৫	১৫০০	২৫০-৫০০	৩

ব্যবহারের নির্দেশাবলী / ব্যবহারের কৌশল: ফলিয়ার স্প্রে।

আবহাওয়ার সাধারণ পরিস্থিতি: প্রতিকূল পরিস্থিতিতে এর প্রয়োগ এড়িয়ে চলুন।

পদ্ধতি এবং প্রয়োগের সময়, কত বার প্রয়োগ যার মধ্যে রয়েছে সর্বাধিক সংখ্যায় ব্যবহার এবং প্রয়োগের সময় ফসলের দশা: পণ্যটি প্রতিরোধমূলক প্রয়োগ হিসেবে ব্যবহার করুন যখন প্রথম রোগের লক্ষণ দেখা দেবে অথবা যখন আবহাওয়া রোগ বৃদ্ধির সহায়ক থাকবে এবং রোগের বিস্তারের উপর ৭-১০ দিনের ব্যবধানে পুনরায় প্রয়োগ করতে হবে। ফসল চক্রের মধ্যে ৪ বারের বেশী প্রয়োগ করা যাবে না।

স্প্রে করার সরঞ্জাম এবং নজলের প্রকার: ফ্লাড জেট নজলের সঙ্গে ন্যাপস্যাক স্প্রেয়ারের মত উচ্চ ভল্যুয়েমের স্প্রে করার সরঞ্জাম ব্যবহার করুন সম্পূর্ণ এবং সমান কভারেজ সুনিশ্চিত করার জন্য।

মিশ্রণের জন্য নির্দেশাবলী : প্রয়োজনীয় মাত্রার পণ্য অল্প পরিমাণ জলে মিশিয়ে নিতে হবে। ভালকরে মেশানোর পর নির্দেশিত অবশিষ্ট জল মেশান।

মাটি এবং জল: কোনও নির্দিষ্ট প্রকারের মাটি এবং জল ব্যবস্থাপনার প্রয়োজন নেই।

সেই সব অবস্থা যখন যে কোনও ফসলের উপর কীটনাশকের ব্যবহার করা উচি নয়: প্রযোজ্য নয়।

ফাইটো-টক্সিসিটি: সুপারিশ করা মাত্রায় এই পন্যটি ফাইটো-টক্সিক নয়।

গ্রুপ	এম ০১	ছত্রাকনাশক

প্রতিরোধক ব্যবস্থাপনার বিবরণ :

১. সুপারিশ করা মাত্রা এবং সময়ে ছত্রাকনাশক ব্যবহার করুন। কোনও অবস্থাতেই প্রয়োগ্র মাত্রা লেবেলে সুপারিশ করা মাত্রার উপরে বাড়ানো যাবে না। ২. ছত্রাকনাশকটি বিভিন্ন পদ্ধতিতে নাড়াচাা করুন। ৩. ফসলের আক্রান্ত অংশে কার্যকরীভাবে কভারেজ করা হয়েছে সে ব্যাপারে নিশ্চিত হোন।

সুরক্ষা সম্পর্কিত সতর্কতা: ১. পণ্য ব্যবহারের সময় খাদ্য, পানীয় গ্রহণ করবেন না, ধূমপান করবেন না অথবা পান পাতা চিবোবেন না । ২. পণ্য নিয়ে নাড়াচাড়া করার সময় পুরো হাতার জামা, ফুল প্যান্ট , রসায়ন রোধী দস্তানা, মাস্ক পরুন এবং পা ঢাকা জুতো পরুন। ৩. গায়ে স্প্রে-র মিহি কণা যাতে না আসে তাই হাওয়া চলাচলের দিকে স্প্রে করা থেকে বিরত থাকুন। ৪. মুখ দিয়ে ফুঁ দিয়ে নজল পরিস্কার করবেন না, বন্ধ নজল গাছের সরু ডাল বা ব্রাশের সাহায্যে পরিস্কার করুন। ৫. যদি কোনও ভাবে গায়ে দ্রবণ চলকে পড়ে, তাহলে সংক্রামিত অংশ প্রচুর জল এবং সাবান দিয়ে ধুয়ে ফেলুন। ৬. খাদ্য গ্রহণ, পানীয় গ্রহণ অথবা ধূমপান করার পূর্বে এবং পণ্য ব্যবহারের পরে হাত ও দেহের খোলা অংশ খুব ভাল করে ধুয়ে নিন। ব্যবহারের পরে সংক্রামিত জামা কাপড় খুলে ফেলুন এবং আলাদা করে ধুয়ে ফেলুন।

বিষক্রিয়ার লক্ষণ : মুখে ধাতব স্বাদ। ওপর পেটে জ্বলন অনুভব করা, বমি ভাব এবং বার বার সবুজ বমি করা। অনেক ক্ষেত্রে ডাইরিয়া, আতঙ্কিত হওয়া, ধোঁয়াটে রঙের প্রস্রাব, অলিগুরিয়া, অ্যানুরিয়া, ইউরেমিয়া, লিভার বর্ধিত হওয়া এবং জন্ডিস হতে পারে।

পুনঃ প্রবেশ: চিকিৎসা করা স্থানে ৪৮ ঘণ্টা পর্যন্ত প্রবেশ করবেন না যতক্ষণ না স্প্রে শুকিয়ে যাচ্ছে।

প্রাথমিক চিকিৎসা : যদি মুখে চলে যায়: যদি ব্যাক্তি সচেতন থাকে তবে মুখ ভালো করে জল দিয়ে ধুয়ে নিতে হবে এবং ১ বা ২ গ্লাস জল খেতে দিতে হবে। অচৈতন্য ব্যক্তিকে কিছু খাওয়াতে যাবেন না। ডাক্তার ডাকুন। বমি করানোর চেষ্টা করবেন না যদি না তা প্রয়োজন পরে, চিকিৎসকের সাহায্য নিন। **যদি নিঃশ্বাসে চলে যায়:** রোগীকে খোলা হাওয়ায় নিয়ে যান এবং শরীরের তাপমাত্রার ওপর লক্ষ্য রাখুন। রোগী যদি শ্বাস না নেয় বা শ্বাস নিতে কষ্ট হয়, তাহলে কৃত্তিম উপায়ে শ্বাস নেওয়ার ব্যবস্থা করুন, বিশেষত, মুখে মুখে শ্বাস প্রদান ক্রিয়া। চিকিৎসকের পরামর্শ নিন। **যদি ত্বকে লেগে যায় :** লেগে যাওয়া জাযগা অনেক জল ও সাবান দিয়ে ভালো করে ধুয়ে ফেলুন। এমন কি চুল ও নখের ভেতরও। যদি ব্যাথা হয়, লাল হয়ে যায় বা জ্বালা করে, চিকিৎসকের পরামর্শ নিন। সমস্ত লেগে যাওয়া জামা কাপড় আলাদা রাখতে হবে। পুনরায় ব্যবহারের আগে ভালো করে সাবান জলে ধুয়ে নিতে হবে। **চোখে চলে গেলে :** কমকরে ১৫ মিনিট ধরে চোখ জলে ধুতে হবে। যদি ব্যাথা হয়, জ্বালা করে, লাল হয় বা ঝাপসা দেখে তাহলে চিকিৎসকের পরামর্শ নিতে হবে।

প্রতিষেধক: ইডিটিএ, বিএএল বা পেনিসিলামিন যাই হোক। লক্ষণ অনুযায়ী চিকিৎসা করুন।

খালি পাত্রগুলির নিষ্পত্তি: ১. খালি পাত্রগুলির পুনর্ব্যবহার বিপজ্জনক। পাত্রগুলি তিনবার জলে ধুয়ে নেওয়া উচিৎ এবং পাত্র ধোওয়া দ্রবণ তৈরি করা স্প্রে মিশ্রণে ঢেলে দেওয়া উচিৎ। ২. প্যাক ভেঙ্গে জনবসতী থেকে দূরে পুঁতে ফেলবেন। ৩.ব্যবহৃত প্যাকের পুনর্ব্যবহার রোধ করতে উহা যত্রতত্র ফেলে রাখবেন না। ৪. আগাছানাশক নির্মাতা, ফর্মূলকারী তথা অপারেটারের ইহা আবশ্যিক কর্তব্য যে প্যাক বা উদ্বৃত পদার্থ এবং ধোয়ানী তরলাদি এমন নিরাপদ উপায়ে বিনষ্ট করতে হবে, যাতে পরিবেশ বা জলের দূষণ প্রতিরোধ হয়।

মজুতকরণ : ১. ছত্রাকনাশক সম্বলিত প্যাক অন্যান্য পদার্থ মজুতের জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থান থেকে দূরে পৃথক ঘর বা স্থানে মজুত করতে হবে অথবা উইপোকানাশকের পরিমাণ ও প্রকৃতির ওপর নির্ভর করে পৃথক আলমারিতে তালাবন্ধ করে রাখতে হবে। ২. ছত্রাকনাশক মজুত করার জন্যে ব্যবহৃত ঘর বা স্থানটি হতে হবে সুনির্মিত শুকনো, সু-আচ্ছাদিত, বাতায়িত এবংবাষ্পতার দ্বারা হওয়া সংক্রমণ এড়াতে পর্য্যাপ্ত পরিসরযুক্ত।

রাসায়নিক গঠণ :	উপাদান (% ওজন /ওজন)
কপার হাইড্রক্সাইড সক্রিয় উপাদান (৪০% ধাতব তামা)	৬১.৪১
সোডিয়াম সালফেট	১২.০
পলিকার্বোক্সিলেট, সোডিয়াম সল্ট	৭.০
অ্যাল্কিল ন্যাপথালিন সালফোনেট, সোডিয়াম সল্ট	৩.০
যার উপর ভিত্তি করে প্রস্তুতি:	
নন আয়নিক সার্ফ্যাক্ট্যান্ট, খনিজ তেল	২.০
কেওলিন	কিউ.এস
মোট	১০০.০% ওজন /ওজন

সতর্কতা: ১. লেবেল লিফলেটে নির্দেশিত উদ্দেশ্য ব্যতীত অন্য কোনও উদ্দেশ্যে ব্যবহার করা যাবে না। সতর্কতা: ২. যদি পণ্যটি ৬.৫ এর কম পিএইচ সহ স্প্রে দ্রবণে প্রয়োগ করা হয়, তাহলে গাছের-বিষক্রিয়া হতে পারে।